

(नियुक्ति देने के पूर्व मृतक आश्रित से लिये जाने वाले शपथ-पत्र)

शपथ-पत्र का प्रारूप-2

शपथी का
फोटोग्राफ
नोटरी
द्वारा
प्रमाणित

नाम-----उम्र-----वर्ष पुत्र/पुत्री/पत्नी स्व० -----
निवासी ग्राम ----- पोस्ट ----- थाना ----- जनपद-----
का शपथ-पत्र
मैं -----उपर्युक्त अभिसाक्षी शपथपूर्वक निम्नलिखित
अभिकथन
करता है:--

(1) यह कि शपथी द्वारा अपने सेवायोजन के सम्बन्ध में जो सूचना/शैक्षिक प्रमाण-पत्र तथा प्रपत्र इत्यादि दिया गया है वह सही है।

(2) यह कि शपथी द्वारा सेवायोजन के सम्बन्ध में दिये गये मृतक कर्मों के सम्बन्ध में नाम/पद/नियुक्ति का विवरण आदि सही है एवं वह मृतक का वास्तविक वारिस है।

(3) यह कि शपथी के परिवार में स्व० कर्मों की मृत्यु के बाद किसी भी अन्य सदस्य द्वारा कभी भी मृतक आश्रित सेवायोजन नियमावली के अन्तर्गत सेवायोजन का लाभ नहीं लिया गया है।

(4) यह कि शपथ-पत्र के प्रस्तर- 1 से 3 तक में अंकित कथन सत्य है तथा शपथी द्वारा कोई तथ्य छिपाया नहीं गया है।

अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

उत्तर प्रदेश पुलिस
संख्या: अठारह / ए-1(124)2008,

मुख्यालय, इलाहाबाद-1
दिनांक : फरवरी 13, 2009

सेवा में,

समस्त कार्यालयाध्यक्ष,
पुलिस विभाग, उत्तर प्रदेश।

विषय:- सरकारी कर्तव्य पालन के दौरान मृत पुलिस अधिकारियों / कर्मचारियों के आश्रितों को मृतक आश्रित सेवायोजन नियमावली-1974 के अन्तर्गत उप निरीक्षक ना0पु0 / प्लाटून कमाण्डर के पद पर सेवायोजन की कार्यवाही के सम्बन्ध में।

कृपया रिट याचिका संख्या: 4746 / 2008 मुकेश शुक्ला व अन्य बनाम उ0प्र0 शासन व अन्य में माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा पारित आदेश दिनांकित 07.08.2008 के अनुपालन में शासनादेश संख्या: 1912 / 6-पु0-10-08-1200(285) / 2006 दिनांक 17.10.2008 के माध्यम से प्राप्त निर्देश के अनुसार मृतक आश्रित सेवायोजन नियमावली 1974 के अन्तर्गत मृतक आश्रितों के पक्ष में उप निरीक्षक ना0पु0 / प्लाटून कमाण्डर के पद पर लम्बित प्रस्तावों में नियमानुसार सेवायोजन की कार्यवाही किया जाना है। इस सम्बन्ध में नियमानुसार मृतक आश्रितों के उप निरीक्षक ना0पु0 / प्लाटून कमाण्डर के पद विषयक दक्षता का मूल्यांकन यथाशीघ्र कराया जाना है, जिसके लिए पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 से तदविषयक विभागीय चयन समिति के गठन का अनुरोध किया गया है।

2. अतः कृपया अनुरोध है कि आपके जनपद / इकाई में मृतक आश्रितों के उप निरीक्षक ना0पु0 / प्लाटून कमाण्डर के पद के जो भी प्रस्ताव लम्बित हों, उनका नियमानुसार भली भाँति परीक्षण कर, फुलप्रुफ सिस्टम के अन्तर्गत पुलिस मुख्यालय के परिपत्र संख्या: 18 / ए-1(5)2008 दिनांक 24.02.2008 में निहित प्राविधानों के अनुसार पूर्ण पत्रादि / आख्या सहित प्रस्ताव अपने जनपद / इकाई के पुलिस उपाधीक्षक / क्षेत्राधिकारी कार्यालय के माध्यम से पुलिस मुख्यालय को प्रत्येक दशा में दिनांक 28.02.2009 तक उपलब्ध कराने की व्यवस्था करें। कृपया मृतक आश्रित के प्रस्तावों का परीक्षण करते समय यह भी सुनिश्चित कर लें कि आश्रित उप निरीक्षक ना0पु0 / प्लाटून कमाण्डर के पद पर सेवायोजन हेतु निर्धारित मापदण्डों के अनुसार सब प्रकार से अर्ह हो एवं आश्रित स्व0 मृतक पुलिस कर्मी के मृत्यु के पांच वर्ष की समय सीमा के अन्दर न्यूनतम 21 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका हो तथा स्नातक स्तर की शिक्षा ग्रहण कर चुका हो।

3. (104) कृपया प्रकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करने का कष्ट करें।

[Handwritten signature]
संख्या तथा दिनांक वही

[Handwritten signature]
(दीपक कुमार भट्ट)
अपर पुलिस अधीक्षक, स्थापना,
निमित्त पुलिस उप महानिरीक्षक, स्थापना,
उत्तर प्रदेश।

संख्या तथा दिनांक वही

प्रतिलिपि विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, गृह (पुलिस) अनुभाग-10, लखनऊ को शासन के निर्देश संख्या: 1912 / 6-पु0-10-08-1200(285) / 2006 दिनांक 17.10.2008 के सन्दर्भ में सादर सूचनार्थ प्रेषित।

संख्या तथा दिनांक वही

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ प्रेषित:-

1. अपर पुलिस महानिदेशक, कार्मिक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
2. पुलिस महानिरीक्षक / पुलिस महानिदेशक के सहायक, उ0प्र0 लखनऊ।
3. पुलिस महानिरीक्षक, स्थापना, उ0प्र0 लखनऊ।
4. पुलिस महानिरीक्षक, प्रशासन, उ0प्र0, लखनऊ।
5. रागरत गरिष्ठ पुलिसा अधीकारीगण, पुलिसा मुख्यालय, इलाहाबाद।

संख्या तथा दिनांक वही

6- अपर पुलिस महानिदेशक (पीएल), पी0ए0पी0 मुख्यालय उ0प्र0 लखनऊ।

पंक लिस्ट

उत्तर प्रदेश मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भती, नियमावली-1974 सपठित नियमावली-1993,2008 के अधीन सरकारी कर्मचारियों की सेवाकाल में मृत्यु के उपरान्त परिवार के आश्रितों में से एक सदस्य को मृतक आश्रित के रूप में सेवायोजन प्रदान किये जाने विषयक प्रस्ताव

1	मृत सरकारी सेवक का नाम
2	मृत सरकारी सेवक का पदनाम
3	मृत सरकारी सेवक की मृत्यु पूर्व नियुक्ति स्थान/ कार्यालय का नाम
4	मृत सरकारी सेवक की जन्मतिथि (सेवाअभिलेख के अनुसार प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित छायाप्रति सलग्न की जाय)
5	मृत सरकारी सेवक का भती तिथि
6	मृत सरकारी सेवक की नियुक्ति का प्रकार(तदर्थ/ नियमित/ स्थाई/ अस्थाई/ आकस्मिक)
7	मृत सरकारी सेवक की मृत्यु तिथि (मृत्यु का प्रमाण-पत्र के अनुसार, कार्यालय प्रमुख द्वारा प्रतिहरताङ्कित कर सलग्न किया जाय)
8	मृत सरकारी सेवक की मृत्यु की परिस्थितियों का संक्षिप्त विवरण
9	मृत सरकारी सेवक मृत्यु के समय डियुटी पर था अथवा अवकाश पर
10	मृत सरकारी सेवक के कुटुम्ब के सदस्यों का नाम आयु(हाईस्कूल की सनद अथवा जन्म प्रमाण-पत्र के अनुसार) तथा आय व वैवाहिक स्थिति
11	मृत सरकारी सेवक की एक से अधिक पत्नियाँ हैं तो पत्नियों के नाम आयु(हाईस्कूल की सनद अथवा जन्म प्रमाण-पत्र के अनुसार)
12	मृत सरकारी सेवक के पत्नी के द्वारा इस आशय का शपथ-पत्र वह किसे सेवायोजन दिलाना चाहती है, का विवरण एवं परिवार के समस्त सदस्यों वयस्क/अवयस्क दोनों का विवरण (नाम/आयु/शिक्षा/व्यवसाय) अंकित होगा

	सामिलित हो से संबंधित शपथ-पत्र (प्रारूप-क)
13	मृत सरकारी सेवक के कुटुम्ब के सदस्यों का वार्षिक आय का विवरण
14	इस आशय का प्रमाण-पत्र की स्थायी अभिलेख एवं पेशन पत्रावली पर प्रस्तुत कुटुम्ब की सूची से सेवायोजन के प्रस्ताव के लिए प्रस्तुत कुटुम्ब की सूची की समीक्षा कर ली गयी कोई अन्तर नहीं पाया गया है पेशन पत्रावली पर प्रस्तुत कुटुम्ब की सूची की प्रमाणित प्रति(पेशन प्रपत्र भाग दो संलग्न किया जाय
15	मृत सरकारी सेवक के कुटुम्ब के वयस्क सदस्यों का शपथ-पत्र/सहमति जिन्हें सेवायोजन दिलाना चाहते हो, के पक्ष में(प्रारूप-ख)
16	मृत सरकारी सेवक के आश्रित के पक्ष में निर्गत किये गये पी०पी०ओ०/जी०पी०ओ० की संख्या व दिनांक (प्रमाण हेतु प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करें)
17	मृत सरकारी सेवक के कुटुम्ब के एक से अधिक सदस्यों द्वारा सेवायोजन का मांग की जा रही है, तो उनमें से जिस आश्रित को नामित किया जा रहा है उससे नामित किये जाने के कारण सहित विस्तृत विवरण अंकित करें
18	मृतक आश्रित सेवायोजन नियमावली-1974 के अन्तर्गत इससे पूर्व कुटुम्ब के किसी आश्रित सदस्य की नियुक्ति की सुविधा प्राप्त हुई हो तो ऐसी स्थिति में स्पष्ट किया जाय किस सम्बन्धित को किस पद पर नियुक्ति दी गयी है तथा इस सम्बन्ध में पुलिस मुख्यालय के आदेश संख्या व दिनांक का उल्लेख करें
19	इस आशय का प्रमाण-पत्र कि मृत सरकारी सेवक के किसी भी आश्रित को उत्तर प्रदेश मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियमावली -1974, संपादित नियमावली-1998, 2008 के अधीन सेवायोजन का लाभ प्रदान नहीं किया गया है से संबंधित प्रमाण पत्र(प्रारूप-घ)
20	मृत सरकारी सेवक के घर के पते (स्थायी एवं अस्थायी)पर सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी से कराई गयी जांच आख्या की मूल प्रति जिसमें मृतक के

	कुटुम्ब के किसी भी सदस्य को पूर्व में सेवायोजन का लाभ तो प्रदान नहीं किया गया है तथा अवयस्क/वयस्क सदस्यों की वैवाहिक स्थिति तथा आय का भ्रोत और यदि किसी सेवा में है तो उसका विवरण संबंधित प्रमाण पत्र
21	मृतक आश्रित का नाम
22	मृतक आश्रित की जन्मतिथि हाईस्कूल के सनद अथवा जन्म प्रमाण पत्र के अनुसार अंकों तथा शब्दों में
23	मृतक आश्रित की शैक्षिक योग्यता
24	मृतक सरकारी सेवक के आश्रित का शपथ पत्र जिन्हें सेवायोजन हेतु नामित किया गया है (प्रारूप-ग)
25	मृतक आश्रित का प्रार्थना-पत्र जिसमें शैक्षिक योग्यता आयुअपेक्षित पद का उल्लेख तथा जाति विषयक प्रमाण-पत्र(यदि आश्रित वर्ग से है तो दिनांक सहित)
26	शैक्षिक प्रमाण पत्रों/अंक तालिकाओं का सत्यापन माध्यमिक शिक्षा बोर्ड/विश्वविद्यालय से एवं हाईस्कूल से कम शिक्षित होने पर जिला विद्यालय निरीक्षक से सत्यापन कराकर सत्यापन आख्या(कार्यालय प्रमुख द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित)
27	मृतक आश्रित का चरित्र सत्यापन स्थाई व अस्थायी पते पर तथा अभिसूचना मुख्यालय द्वारा कशया गया चरित्र सत्यापन आख्या मूलरूप में सलग्न की जायेगी
28	मृतक आश्रित के पक्ष दो राजपत्रित अधिकारियों द्वारा पृदत्त चरित्र प्रमाण-पत्र जो छ से पुराना न हो
29	मृतक आश्रित की वैवाहिक स्थिति यदि विवाहित है तो जीवित पत्नी का नाम/आयु व शैक्षिक योग्यता
30	मृतक आश्रित से निम्न स्थिति में तत्सम्बन्धी

	<p>विवरण सहित द्वारा आशय घोषणा पत्र प्राप्त कर संलग्न किया जाय</p> <p>1- यदि वर्तमान समय में मृतक आश्रित कही सेवास्त है</p> <p>2- यदि पूर्व में सेवास्त रहा हो</p> <p>3- यदि सेवा त्यागपत्र दे दिया तो</p> <p>4- यदि सेवा से पृथक कर दिया गया हो तो</p>
31	यदि मृतक आश्रित आरक्षित वर्ग का है तो जाति प्रमाण-पत्र (जो जिलाधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित होगा)
32	मृतक आश्रित का नवीनतम फोटोग्राफ जो छ. से पुराना न हो चस्पा कर कार्यालयाध्यक्ष द्वारा प्रमाणित किया जाय
33	मृतक आश्रित का शारीरिक नाप जो छ. माह से पुराना न हो फोटोग्राफ चस्पा कर प्रमाणित करें (प्रतिसार निरीक्षक द्वारा प्रदत्त किया गया प्रमाण-पत्र) (कार्यालय प्रमुख द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित)
34	मृतक आश्रित का स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र छ माह से पुराना न हो फोटोग्राफ चस्पा कर प्रमाणित करें (मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रदत्त किया गया प्रमाण-पत्र) (कार्यालय प्रमुख द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित)
35	इस आशय का प्रमाण-पत्र को पुलिस कार्यालय द्वारा मृतक आश्रित के सेवायोजन का विवरण स्थाई रूप से रखे गये "मृतक आश्रित सेवायोजन रजिस्टर" में अंकित कर दिया गया है से संबंधित प्रमाण पत्र (प्रारूप-घ)
36	इस आशय का प्रमाण पत्र को उपरोक्त कम संख्या-1 से लेकर कम संख्या-35 तक अंकित सभी प्रविष्टियों को भेरे द्वारा भली भांति जांच कर लिया गया है जो सूचनाये अंकित है वे सही हैं एवं आवेदक द्वारा मांगे जा रहे पद पर सेवायोजन की संस्तुति की जाती है। (अपेक्षित पद नाम का उल्लेख कार्यालयाध्यक्ष द्वारा करते हुए संस्तुति की जायेगी)

उत्तर प्रदेश आरक्षिक (पुलिस) में भर्ती का आकार पत्र

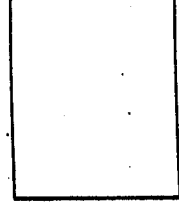
1-पूरा नाम.....

2-पिता का नाम.....

3-स्थायी पता--

1-गांव / मुहल्ला.....

2-थाना.....



4-आयु एवं जन्म का दिनांक.....

5-जाति(केवल परिगणित जातियों के लिये).....

6-विवाहित या अविवाहित.....

7-शिक्षा संबंधी योग्यतायें.....

8-सैनिक अनुभव, यदि कोई हो और पदवी, जिन पर नियुक्त हो.....

9-मैं..... इस लेख द्वारा प्रकथन करता हूँ कि ऊपर दिया लेखा सच्चा, जिसे मैंने स्वयं दिया है, पढ़ाकर चुन लिया है, उहाँ तक मैं जगता हूँ और जैसा एक विश्वास है, सत्य है।

मेरे सामने हरसाक्षर हुये और इस लेख को साक्षिता स्वीकृत की गयी।

साक्षित्य अधिकारी के हस्ताक्षर

प्रार्थी के हस्ताक्षर

(ख) प्रतिसार-निरीक्षक (रिजर्व इन्स्पेक्टर) द्वारा भरा जाये।

10- नाप--

1- ऊँचाई.....

2- छाती बिना फुलाये..... फुलाने पर.....

प्रतिसार निरीक्षक(रिजर्व इन्स्पेक्टर)

(ग) चिकित्सक अधिकारी द्वारा भरा जाये

11-पहिचान के विशेष चिन्ह.....

12-चिकित्सक अधिकारी की आख्या रिपोर्ट.....

(क)-योग्य / अयोग्य

(ख)उसकी आयु उसी के वक्तव्य के अनुसार..... वर्ष की और

ऊपर से देखने में.....

ग- घेचक टीका या घेचक के चिन्ह हों या नहीं।

घ- (आरीक्षक अधीक्षक (कप्तान पुलिस के पूछने पर) उसके बढने या पुष्ट होने की सम्भावना है या नहीं।

दिनांक..... सन् 19....

भर्ती किये जाने वाले के बाये अंगूठे की छाप

चिकित्सक अधिकारी

अनुबन्ध (एग्जीमेन्ट)

से..... जो..... का पुत्र हूँ और
गांव/मुहल्ला..... थाना..... जिला.....

का निवासी हूँ इस बात को अंगीकार करता हूँ और इस पर अनुबद्ध होता हूँ कि यदि मैं उत्तर प्रदेशीय (पुलिस) बल में ले लिया गया और उसके बाद दो वर्ष के भीतर ही उत्सर्जित (डिसचार्ज), पदच्युत (डिस्मिड) या जनपद - चिकित्सक (सिविलसर्जन) द्वारा अयोग्य घोषित न कर दिया गया तो उक्त बल में भर्ती होने के दिन से दो वर्ष तक उसमें काम करता रहूंगा।

मैं अंगीकार करता हूँ और अनुबद्ध होता हूँ कि यदि मैंने दो वर्ष पूरे होने के पहले ही पद त्याग कर दिया तो तब तक जितने गाह कि मेरी सेवा हुयी होगी, उतने ही समय दण्ड भरूंगा।

यह अनुबन्ध किसी ऐसे अंगीकार- पत्र, अनुबन्ध या बन्ध को, जिसे मैं इस अनुबन्ध पर हस्ताक्षर करने के बाद लिखे, अतिक्रान्त कर सकूंगा।

इस लेख्य का शुल्क उत्तर प्रदेश गवर्नर महोदय दैंगे
साक्षित्व अधिकारी (अटेस्टिंग आफिसर) के
हस्ताक्षर और उनका अभिधान (इंजिनेराल)

प्रार्थी के हस्ताक्षर

प्रार्थी के बाये अंगूठे की छाप

आज्ञा

पद पर दिनांक..... सन् 198... ई से..... प्रतिमास
पर भर्ती किया गया।

आरक्षिक अधीक्षक (कप्तान पुलिस)

समादेयक (कमान्डेन्ट)

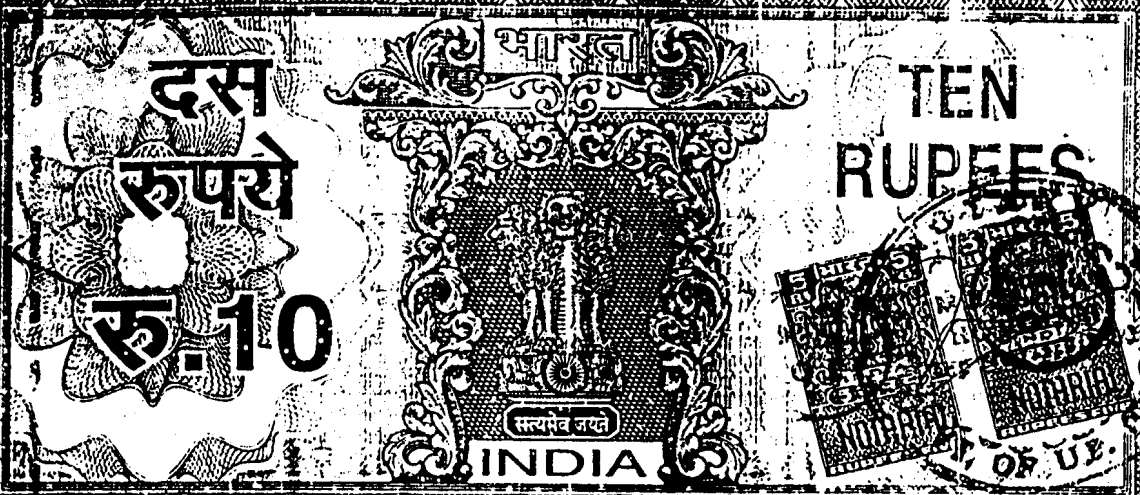
बैंक तिरुद

उत्तर प्रदेश मूल सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियमावली-1974 सपटित नियमावली-1993,2006 के अधीन सरकारी कर्मचारियों की सेवाकाल में मृत्यु के उपरान्त परिवार के आश्रितों में से एक सदस्य को मूलक आश्रित के रूप में सेवायोजन प्रदान किये जाने विषयक प्रस्ताव

1	मूल सरकारी सेवक का नाम	
2	मूल सरकारी सेवक का पदनाम	
3	मूल सरकारी सेवक की मृत्यु पूर्व नियुक्ति स्थान/कार्यालय का नाम	
4	मूल सरकारी सेवक की जन्मतिथि (सेवाअभिलेख के अनुसार प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय)	परिशिष्ट
5	मूल सरकारी सेवक की भर्ती तिथि	
6	मूल सरकारी सेवक की नियुक्ति का प्रकार(तदर्थ/नियमित/स्थायी/अस्थायी/आकस्मिक)	
7	मूल सरकारी सेवक की मृत्यु तिथि (मृत्यु का प्रमाण-पत्र के अनुसार कार्यालय प्रमुख द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संलग्न किया जाय)	
8	मूल सरकारी सेवक की मृत्यु की परिस्थितियों का संक्षिप्त विवरण	
9	मूल सरकारी सेवक, मृत्यु के समय डियुटी पर था अथवा अवकाश पर	
10	मूल सरकारी सेवक के कुटुम्ब के सदस्यों का नाम आयु(हाईस्कूल की सनद अथवा जन्म प्रमाण-पत्र के अनुसार) तथा आय व वैवाहिक स्थिति	नाम आय नाम आय नाम आय
11	मूल सरकारी सेवक की एक से अधिक पत्नियों हो तो पत्नियों के नाम आयु(हाईस्कूल की सनद अथवा जन्म प्रमाण-पत्र के अनुसार)	नाम आय नाम आय
12	मूल सरकारी सेवक के पत्नी के द्वारा इस आशय का शपथ-पत्र वह किसे सेवायोजन दिलाना चाहती है, का विवरण एवं परिवार के समस्त सदस्यों वयस्क/अवयस्क दोनों का विवरण (नाम/आय/शिक्षा/व्यवसाय) अंकित होगा सम्मिलित हो से संबंधित शपथ पत्र (प्रारूप-क)	परिशिष्ट
13	मूल सरकारी सेवक के कुटुम्ब के सदस्यों का वार्षिक आय का विवरण	परिशिष्ट
14	इस आशय का प्रमाण-पत्र की स्थायी अभिलेख एवं पेंशन पत्रावली पर प्रस्तुत कुटुम्ब की सूची से सेवायोजन के प्रस्ताव के लिए प्रस्तुत कुटुम्ब की सूची की समीक्षा कर ली गयी कोई अन्तर नहीं पाया गया है पेंशन पत्रावली पर प्रस्तुत कुटुम्ब की सूची की प्रमाणित प्रति(पेंशन प्रपत्र भाग दो संलग्न किया जाय	सदस्यों के नाम की सूची परिशिष्ट- पेंशन भाग दो की प्रमाणित सूची परिशिष्ट-
15	मूल सरकारी सेवक के कुटुम्ब के वयस्क सदस्यों का शपथ-पत्र/सहमति जिन्हें सेवायोजन दिलाना चाहते हो, के पक्ष में(प्रारूप-ख)	परिशिष्ट- परिशिष्ट- परिशिष्ट- परिशिष्ट-
16	मूल सरकारी सेवक के आश्रित के पक्ष में निर्गत किये गये पी०पी०ओ/जी०पी०ओ की संख्या व दिनांक (प्रमाण हेतु प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करें)	परिशिष्ट-
17	मूल सरकारी सेवक के कुटुम्ब के एक से अधिक सदस्यों द्वारा सेवायोजन की मांग की जा रही है तो उनमें से जिस आश्रित को नामित किया जा रहा है उससे नामित किये जाने के कारण सहित विस्तृत विवरण अंकित करें	
18	मूलक आश्रित सेवायोजन नियमावली-1974 के अन्तर्गत इससे पूर्व कुटुम्ब के किसी आश्रित सदस्य की नियुक्ति की सुविधा प्राप्त हुई हो तो ऐसी स्थिति में स्पष्ट किया जाय किस सम्बन्धित को किस पद पर नियुक्ति दी गयी है तथा इस सम्बन्ध में पुलिस मुख्यालय के आदेश संख्या व दिनांक का उल्लेख करें	
19	इस आशय का प्रमाण-पत्र कि मूल सरकारी सेवक के किसी भी आश्रित को उत्तर प्रदेश मूल सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियमावली-1974 सपटित नियमावली-1993,2006 के अधीन सेवायोजन का लाभ प्रदान नहीं किया गया है से संबंधित प्रमाण पत्र(प्रारूप-घ)	
20	मूल सरकारी सेवक के घर के पते (स्थायी एवं अस्थायी)पर सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी से कराई गयी जांच आख्या की मूल प्रति जिसमें मूलक के कुटुम्ब के किसी भी सदस्य को पूर्व में सेवायोजन का लाभ तो प्रदान नहीं किया गया है तथा अवयस्क/वयस्क सदस्यों की वैवाहिक स्थिति तथा आय का श्रांत और यदि किसी संघा में है तो उसका विवरण संबंधित प्रमाण पत्र	परिशिष्ट अनुलग्नक अनुलग्नक

	मृतक आश्रित का नाम			
	मृतक आश्रित की जन्म तिथि हाईस्कूल के सनद अथवा जन्म प्रमाण पत्र के अनुसार अको तथा शब्दों में			
23	मृतक आश्रित की शैक्षिक योग्यता			
24	मृतक आश्रित की सेवा के आश्रित का शपथ पत्र जिन्हें सेवायोजन हेतु नामित किया गया है (प्रारूप-ग)			
25	मृतक आश्रित का प्रार्थना-पत्र जिसमें शैक्षिक योग्यता आयु अपेक्षित पद का उल्लेख तथा जाति विषयक प्रमाण-पत्र (यदि आरक्षित वर्ग से है तो दिनांक सहित)	प्रार्थना पत्र		
26	शैक्षिक प्रमाण पत्रों/अंक तालिकाओं का सत्यापन माध्यमिक शिक्षा बोर्ड/विश्वविद्यालय से एवं हाईस्कूल से कम शिक्षित होने पर जिला विद्यालय निरीक्षक से सत्यापन कराकर सत्यापन आख्या(कार्यालय प्रमुख द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित)	मा0शि0बोर्ड- विश्वविद्यालय जि0वि0नि0	परिशिष्ट परिशिष्ट परिशिष्ट	
27	मृतक आश्रित का चरित्र सत्यापन स्थाई व अस्थायी पत्र पर तथा अभिसूचना मुख्यालय द्वारा कराया गया चरित्र सत्यापन आख्या मूलरूप में संलग्न की जायेगी	स्थायी पत्र पर परिशिष्ट अस्थायी पत्र पर अभिसूचना मुख्यालय परिशिष्ट		
28	मृतक आश्रित के पक्ष दो राजपत्रित अधिकारियों द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण-पत्र जो छः से पुराना न हो	1-राजपत्रित अधिकारी का नाम परिशिष्ट 2-राजपत्रित अधिकारी नाम परिशिष्ट		
29	मृतक आश्रित की वैवाहिक स्थिति यदि विवाहित है तो जीवित पत्नी का नाम/आयु व शैक्षिक योग्यता	नम	आयु	
30	मृतक आश्रित से निम्न स्थिति में तत्सम्बन्धी विवरण सहित इस आशय घोषणा पत्र प्राप्त कर संलग्न किया जाय 1- यदि वर्तमान समय में मृतक आश्रित कहीं सेवास्त है 2- यदि पूर्व में सेवास्त रहा हो 3- यदि सेवा त्यागपत्र दे दिया तो 4- यदि सेवा से पृथक् कर दिया गया हो तो	परिशिष्ट		
31	यदि मृतक आश्रित आरक्षित वर्ग का है तो जाति प्रमाण-पत्र (जो जिलाधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित होगा)	1- प्रमाण पत्र निर्गत करने वाले राजपत्रित अधिकारी का नाम परिशिष्ट		
32	मृतक आश्रित का नवीनतम फोटोग्राफ जो छः से पुराना न हो चस्पा कर कार्यालयाध्यक्ष द्वारा प्रमाणित किया जाय	प्रमाणित फोटोग्राफ		
33	मृतक आश्रित का शारीरिक नाप जोख छः माह से पुराना न हो फोटोग्राफ चस्पा कर प्रमाणित करे (प्रतिभार निरीक्षक द्वारा प्रदत्त किया गया प्रमाण-पत्र) (कार्यालय प्रमुख द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित)	ऊँचाई	सीना फुलाने पर	सीना बिना फुलाये
34	मृतक आश्रित का स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र छः माह से पुराना न हो फोटोग्राफ चस्पा कर प्रमाणित करे (मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रदत्त किया गया प्रमाण-पत्र) (कार्यालय प्रमुख द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित)	ऊँचाई	सीना फुलाने पर	सीना बिना फुलाये
35	इस आशय का प्रमाण-पत्र को पुलिस कार्यालय द्वारा मृतक आश्रित के सेवायोजन का विवरण स्थाई रूप से रखे गये 'मृतक आश्रित सेवायोजन रजिस्टर' में अंकित कर दिया गया है से संबंधित प्रमाण पत्र (प्रारूप-च)	स्थाई रजिस्टर का पृष्ठ संख्या- कम संख्या- प्रमाण पत्र परिशिष्ट		
36	इस आशय का प्रमाण पत्र की उपरोक्त कम संख्या-1 से लेकर कम संख्या-35 तक अंकित सभी प्रविष्टियों को मेरे द्वारा भली भाँति जाँच कर लिया गया है जो सूचनाये अंकित है वे सही है एवं आवेदक द्वारा मांगे जा रहे पद पर सेवायोजन की संस्तुति की जाती है। (अपेक्षित पद नाम का उल्लेख कार्यालयाध्यक्ष द्वारा करते हुए संस्तुति की जायेगी)			

भारतीय गैर न्यायिक



INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

समक्ष :- श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय

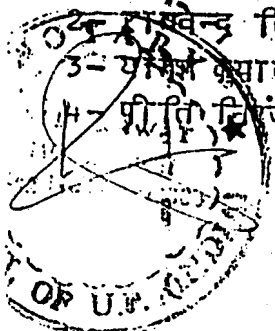
जिला जालौन & स्थान उरई

मे राघुबेन्द्र सिंह निरंजन उम्र 30 वर्ष पु. स्व. श्री कंज बिहारी निरंजन निवासी-ग्राम महोवकण्ठ पोस्ट व थाना महोवकण्ठ जनपद महोवा का शमथपत्र निम्नलिखित है :-

मे राघुबेन्द्र सिंह निरंजन उपर्युक्त अभिसाक्षीपथपूर्वक निम्नलिखित अभिकथन करता हूँ कि :-

- §1§ यह कि शमथी द्वारा अपने सेवायोजन के सम्बन्ध में जो सहायता शैक्षिक प्रयासपत्र तथा प्रपत्र इत्यादि दिया गया है वह सही है ।
- §2§ यह कि शमथी के पिता श्री कंज बिहारी निरंजन की मृत्यु दिनांक : 26/09/2007 ई० को हुई थी शमथी के पिता मृत्यु के समय थाना आटा जनपद जालौन में निरूपित थे ।
- §3§ यह कि शमथी के परिवार में शमथी के आरिक्त निम्न सदस्य है जिनमे से किसी को भी सेवा योजन का लाभ नहीं दिया गया है ।

1- प्रभा निरंजन	विवाहित	आयु 32 वर्ष
2- राघुबेन्द्र सिंह निरंजन	विवाहित	आयु 30 वर्ष
3- योगेश कुमार निरंजन	विवाहित	आयु 25 वर्ष
4- श्री वि. निरंजन	अविवाहित	आयु 16 वर्ष



शेष शर...

राघुबेन्द्र सिंह निरंजन

44 यह कि शमथी द्वारा सेवायोजन के सम्बन्ध में दिये गये मृतक कर्मी के सम्बन्ध में नाम/पद/निष्क्रियता का विवरण आदि सही है एवं वह मृतक का वास्तविक वारिस है।

45 यह कि शमथी के परिवार में स्व० कर्मी की मृत्यु के बाद किसी भी अन्य सदस्य द्वारा कभी भी मृतक आश्रित सेवायोजन नियमावली के अन्तर्गत सेवायोजन का लाभ नहीं लिया गया है।

46 यह कि शमथी के प्रसार 1 से 5 तक में अंकित कथन सत्य है तथा शमथी द्वारा कोई भी तथ्य छिपाया नहीं गया है।

राधेन्द्र सिंह निरंजन
अभिसाक्षी के हस्ताक्षर



NOTARY NO. 5763
Certified that the foregoing 12.2.2014
before me
I have
Who is
.....
.....
Recd

Rachendra Singh Niyanjan

[Signature]
18-10
NOTARY JHANSI DISTRICT

उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय इलाहाबाद-1
संख्या:18/ए-1(5-ए)2008, दिनांक:फरवरी 24, 2008

सेवा ों,

समस्त कार्यालयाध्यक्ष
पुलिस विभाग, उत्तर प्रदेश।

विषय: उत्तर प्रदेश मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियमावली-1974 यथा संशोधित 1993 एवं 2006 के अधीन सरकारी कर्मचारियों की सेवाकाल में मृत्यु हो जाने की अवस्था में पाँच वर्ष से ऊपर के प्रकरणों में परिवार के आश्रितों में से एक सदस्य को मृतक आश्रित के रूप में सेवायोजन प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में समय सीमा की छूट विषयक प्रस्ताव प्रेषित किये जाने के सम्बन्ध में "फूलपूफ सिस्टम" को लागू किया जाना।

विगत वर्षों से कतिपय मृतक आश्रितों को सेवायोजन दिये जाने के फर्जी मामले प्रकाश में आने एवं रिट याचिका संख्या 11505/2006 अवनीश कुमार बनाम उत्तर प्रदेश व अन्य में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा इसे संज्ञान में लिये जाने के उपरान्त उत्तर प्रदेश शासन ने शासनादेश संख्या:146/6-पु0-10/2008-1200 (173)/07, दिनांक 24.01.2008 द्वारा मृतक आश्रित सेवायोजन नियमावली-1974 के अन्तर्गत चयन प्रक्रिया को और अधिक फुल पूफ बनाये जाने एवं हर स्तर पर दायित्व निर्धारित करने के निर्देश दिये गये हैं।

2- वर्तमान में प्राप्त शासनादेश संख्या:6/12/73-का-2/2006, दिनांक 28.7.2006 में मृतक आश्रित नियमावली के नियम-5(1) में प्राविधानित है कि "जहाँ राज्य सरकार का यह समाधान हो जाये कि सेवायोजन के लिये आवेदन करने के लिये नियत समय सीमा में किसी विशिष्ट मामले में अनावश्यक कठिनाई होती है वहाँ वह अपेक्षाओं को जिन्हें वह मामले में न्याय संगत और साम्यपूर्ण रीति से कार्यवाही करने के लिये आवश्यक समझें अवमुक्त या शिथिल कर सकती है, परन्तु यह और कि उपयुक्त के परन्तुक के प्रयोजन के लिये समबद्ध व्यक्ति कारणों को स्पष्ट करेगा और आवेदन के लिये नियत समय सीमा के अवसान के पश्चात् सेवायोजन के लिये आवेदन करने के विलम्ब के सम्बन्ध में ऐसे विलम्ब के समर्थन में आवश्यक अभिलेख/सबूत सहित लिखित में समुचित औचित्य देगा और सरकार विलम्ब के कारण के लिये सभी तथ्यों पर विचार करते हुए समुचित निर्णय लेगी"।

2. उपर्युक्त परिस्थितियों एवं शासन से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में मृतक आश्रित सेवायोजन नियमावली के अन्तर्गत सेवायोजन एवं समय सीमा में छूट के सम्बन्ध में पुलिस मुख्यालय द्वारा निर्गत विभिन्न परिपत्रों के माध्यम से समय समय पर दिये गये दिशा निर्देशों के क्रम में वर्तमान में निम्न निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी :-

सेवाकाल में मृत पुलिस कर्मियों के आश्रितों के पक्ष में सेवायोजन का फर्जी प्रकरण रोकने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय के परिपत्र संख्या:18ए-(सातवां संशोधन/मृ0आ0) 2006 दिनांक 24.9.2006 एवं परिपत्र संख्या:18/ए-6रिट(64), 2006, दिनांक 5.9.2006 के अनुरूप प्रस्ताव नियमानुसार तैयार कराकर प्रत्येक त्रैमास के अन्त में एक बार उक्त प्रस्तावों को स्वयं पुलिस उपाधीक्षक/क्षेत्राधिकारी कार्यालय व्यक्तिगत रूप से पुलिस मुख्यालय के संबंधित अनुभाग में उपस्थित होकर उपलब्ध करायेगे तथा प्रस्ताव अग्रसारण पत्र पर कार्यालय प्रमुख द्वारा अपना स्पष्ट नाम व मुहर इस टिप्पणी के साथ अंकित करेंगे कि यह प्रस्ताव अमुक क्षेत्राधिकारी कार्यालय द्वारा स्वयं पुलिस मुख्यालय में उपस्थित होकर उपलब्ध कराया जायेगा।

4. मृतक आश्रित को समय सीमा में छूट प्रदान किये जाने विषयक प्रस्ताव शासन को नवीन शासनादेश दिनांक 28-7-2006 के अनुरूप समय सीमा में छूट विषयक प्रस्ताव में निम्नलिखित अभिलेखों सहित पुलिस मुख्यालय को अविलम्ब उपलब्ध कराया जायेगा :-

1- 20 बिन्दुओं की सम्पूर्ण सूचना निर्धारित प्रारूप में तीन प्रतियों में (जिसमें कार्यालय प्रमुख द्वारा सभी पृष्ठों पर नाम/पदनाम की मोहर सहित हस्ताक्षर हों)

Smr
mh

212

H.C.
को. निदेश
मा. 24/4/08
जु. 24/4/08
पु. 24/4/08
रि. 24/4/08
सि. 24/4/08
अ. 24/4/08

5/3/08

- 2- मृतक की पत्नी द्वारा सेवायोजन प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में सर्वे दिये गये प्रार्थना-पत्र की प्रमाणित प्रतिलिपि ।
- 3- मृतक के पुत्र द्वारा बालिग होने पर सेवायोजन हेतु सर्वप्रथम प्रार्थना-पत्र की प्रमाणित प्रतिलिपि ।
- 4- मृत्यु के पाँच वर्ष के अन्दर कुटुम्ब के अन्य सदस्यों द्वारा सेवायोजन प्राप्त न किये जाने का औचित्य, आवश्यक अभिलेख/सबूत ।
- 5- मृत्यु की परिस्थितियों का विवरण जिसमें मृत्यु के कारणों का स्पष्ट उल्लेख हो, तीन प्रतियों में जिसमें पुलिस अधीक्षक के हस्ताक्षर एवं नाम/पदनाम मुहर अंकित हो ।
- 6- मृतक के परिवार के सदस्यों की आय का स्रोत एवं धनराशि का विवरण (तहसीलदार द्वारा प्रदत्त आय प्रमाण-पत्र) ।
- 7- आवेदक के घर के पते पर राजपत्रित अधिकारी से कराई गयी जाँच आख्या की प्रति जिसमें सभी आश्रितों का विवरण नाम, उम्र, आय के स्रोत/धनराशि, विवाहित/अविवाहित, आवेदक को ही सेवायोजन दिलाये जाने का कारण, मृतक की पत्नी द्वारा सेवायोजन न लिये जाने का औचित्य पूर्ण कारण इत्यादि का विस्तृत विवरण अंकित होना आवश्यक है ।
- 8- मृतक की पत्नी के पक्ष में जारी किया गया पेंशन भुगतानादेश की पठनीय प्रमाणित प्रतिलिपि ।
- 9- मृतक कर्मचारी की जन्मतिथि/भर्ती तिथि/मृत्यु की तिथि ।

5- मृतक आश्रित के सेवायोजन प्रस्ताव सम्बन्धित जनपद/इकाई के क्षेत्राधिकारी कार्यालय/पुलिस उपाधीक्षक अथवा जनपद/इकाई के कार्यालयाध्यक्ष द्वारा नामित अधिकारी ही लेकर आयेंगे। इस आशय का प्राधिकार पत्र लायेंगे कि उन्हें सेवायोजन प्रस्ताव पुलिस मुख्यालय में उपलब्ध कराने हेतु अधिकृत किया जाता है, प्राधिकार पत्र में भेजे जाने वाले प्रस्तावों का उल्लेख होगा तथा नामित अधिकारी का हस्ताक्षर सम्बन्धित जनपद/इकाई के वरिष्ठ/पुलिसअधीक्षक/सेनानायक अथवा कार्यालय-अध्यक्ष द्वारा प्रमाणित होगा। इस हेतु अपने साथ अपने नाम व पदनाम की मुहर अवश्य लायेंगे अन्यथा प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

Smt
24/2/08

डा० संजय एम० तरडे
पुलिस उपमहानिरीक्षक, स्थापना
उत्तर प्रदेश।

संख्या तथा दिनांक वही

प्रतिलिपि: विशेष सचिव(गृह), उत्तर प्रदेश शासन, गृह पुलिस अनुभाग-10,
लखनऊ को शासन के निर्देश संख्या: 146/6-पु०-10/2008-1200(173)/07, दिनांक 24.
01.2008 के संदर्भ में सादर सूचनार्थ प्रेषित।

संख्या तथा दिनांक वही

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ प्रेषित:-

- 1- अपर पुलिस महानिदेशक, कार्मिक, उत्तर प्रदेश लखनऊ।
- 2- पुलिस महानिदेशक के सहायक, उत्तर प्रदेश लखनऊ।
- 3- पुलिस महानिरीक्षक, स्थापना, उत्तर प्रदेश लखनऊ।
- 4- समस्त वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण पुलिस मुख्यालय, इलाहाबाद।
- 5- अनुभाग अधिकारी, अनुभाग-20 को पाँच प्रतियों गजट एवं गार्ड फाइल पर रखने हेतु।
- 6- समस्त अनुभाग अधिकारी पुलिस मुख्यालय, इलाहाबाद।
- 7- समस्त गोपनीय सहायक, पुलिस मुख्यालय, इलाहाबाद।

अर्न्तगत अधिकारो का प्रयोग करते हुये उपयुक्त मृतक आश्रित का वयन करके प्रस्ताव तैयार करायेगे।

(5) पुलिस मुख्यालय भेजे जाने वाले मृतक आश्रितों के सेवायोजन सम्बन्धी प्रस्ताव का चेकलिस्ट प्रारूप 36 बिन्दुओं को होगा, जिसमें प्रत्येक बिन्दु पर स्पष्ट सूचना अंकित करने के उपरान्त चेक लिस्ट में अंकित बिन्दुओं के समक्ष भेजे जाने वाले प्रपत्रों का परिशिष्ट के रूप में उल्लेख किया जायेगा। (चेकलिस्ट प्रारूप की प्रति संलग्न है)

(6) मृत कर्मचारी से सम्बन्धित सभी सूचनायें उसके सेवाभिलेख में अंकित तथ्यों के आधार पर ही अंकित की जायेगी जन्मतिथि/भर्ती की तिथि एवं मृत्यु की तिथि के सम्बन्ध में साक्ष्य के रूप में वे क्रमशः सेवा अभिलेख के प्रथम-पृष्ठ एवं मृत्यु का प्रमाण-पत्र की प्रमाणित प्रति प्रतिहस्ताक्षरित कर संलग्न की जायेगी।

(7) मृत कर्मचारी के कुटुम्ब की सूची के सम्बन्ध में पेंशन भाग-2 की प्रमाणित प्रति प्रतिहस्ताक्षरित कर संलग्न की जायेगी।

(8) उत्तर प्रदेश मृत सरकारी सेवको के आश्रितों की भर्ती नियमावली- 1974 एवं संशोधित 1993 के अधीन सेवायोजन का लाभ दिये जाने के सम्बन्ध मृत कर्मचारी के मूल निवास एवं अस्थाई निवास (यदि कोई हो) के पते पर राजपत्रित अधिकारी से जाँच कराई जायेगी जिसमें चेक लिस्ट के प्रारूप के बिन्दु संख्या-18 के अनुरूप स्पष्ट आख्या प्राप्त की जायेगी। जाँच आख्या प्रस्ताव के साथ मूलरूप में सम्बन्धित कार्यालयाध्यक्ष द्वारा स्वयं प्रतिहस्ताक्षरित कर संलग्न कर प्रेषित की जायेगी।

(9) सेवायोजन हेतु मृत कर्मचारी की पत्नी से इस आशय का शपथ-पत्र लिया जायेगा कि वह किसे सेवायोजन दिलाना चाहती है प्रारूप 'क' में शपथी के फोटोग्राफ युक्त शपथ-पत्र लिया जायेगा जो प्रस्ताव के साथ मूलरूप में प्रेषित किया जायेगा।

(10) सेवायोजन हेतु मृत कर्मचारी के परिवार के अन्य समस्त वयस्क सदस्यों का इस आशय का शपथ-पत्र लिया जायेगा कि वे किसे सेवायोजन दिलाना चाहते हैं। प्रारूप 'ख' में शपथी के फोटोग्राफ युक्त शपथ-पत्र लिया जायेगा जो प्रस्ताव के साथ मूलरूप में प्रेषित किया जायेगा।

(11) सेवायोजन हेतु प्रस्तावित मृतक आश्रित से प्रारूप 'ग' में शपथी के फोटोग्राफ युक्त शपथ-पत्र लिया जायेगा जो प्रस्ताव के साथ मूलरूप में प्रेषित किया जायेगा।

(12) उत्तर प्रदेश मृत सरकारी सेवको के आश्रितों की भर्ती नियमावली- 1974 एवं संशोधित 1993 के अधीन किसी भी आश्रित को सेवायोजन का लाभ नहीं दिया गया है से सम्बन्धित प्रमाण-पत्र-घ भर कर प्रेषित किया जायेगा।

(13) मृतक आश्रित का चरित्र सत्यापन उसके स्थाई व अस्थाई पते तथा अभिसूचना मुख्यालय से कराया जायेगा जिसे मूलरूप में प्रस्ताव के साथ संलग्न कर प्रेषित किया जायेगा। चरित्र सत्यापन प्रपत्र पर मृतक आश्रित अभ्यर्थी की फोटोग्राफ चस्पा होगी जिसे सत्यापनकर्ता अधिकारी द्वारा प्रमाणित किया जायेगा ताकि यह स्पष्ट हो सके कि सत्यापनकर्ता अधिकारी द्वारा किस व्यक्ति का सत्यापन किया गया है।

Smrit
2012

(14) दो राजपत्रित अधिकारियों द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण-पत्र जो छः माह से अधिक का न हो मूलरूप में प्रस्ताव के साथ संलग्न कर प्रेषित किया जायेगा।

(15) मृतक आश्रित का पासपोर्ट साइज के फोटोग्राफ प्रस्ताव के प्रस्तर-30 के समक्ष चस्पा किया जायेगा एवं दो फोटोग्राफ अलग से सादे कागज पर चस्पा किया जायेगा जिस पर मृतक आश्रित का विवरण अंकित किया जायेगा जिसे सम्बन्धित कार्यालयाध्यक्ष द्वारा स्वयं ही प्रमाणित किया जायेगा।

(16) मृतक आश्रित का नाप जोख सादे कागज पर किया जायेगा। प्रतिसार निरीक्षक निरीक्षक द्वारा नाप जोख स्वयं किया जायेगा और अपने हाथ से नाप अंकित की जायेगी तथा प्रमाण-पत्र आश्रित को फोटोग्राफ चस्पा कर प्रमाणित किया जायेगा। प्रतिसार निरीक्षक द्वारा प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर के साथ नाम पदनाम की मुहर एवं दिनांक अंकित की जायेगी प्रमाण-पत्र पर किसी भी प्रकार की कोई कटिंग अथवा ओवर राइटिंग नहीं की जायेगी। प्रमाण पत्र को सम्बन्धित कार्यालयाध्यक्ष द्वारा स्वयं प्रतिहस्ताक्षरित कर मूलरूप में संलग्न कर प्रेषित किया जाय। जिसका प्रारूप संलग्न है।

(17) मृतक आश्रित का चिकित्सा स्वास्थ्य परीक्षण मेडिकल मैनुअल में निर्धारित प्रारूप में ही किया जायेगा यदि किसी पद पर नाप जोख की आवश्यकता होगी तो मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा नाप जोख तथा वजन भी अंकित किया जायेगा, तथा प्रमाण-पत्र पर आश्रित का फोटोग्राफ चस्पा कर प्रमाणित किया जायेगा मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर के साथ नाम पदनाम की मुहर एवं दिनांक अंकित की जायेगी प्रमाण-पत्र पर किसी भी प्रकार की कोई कटिंग अथवा ओवर राइटिंग नहीं की जायेगी। प्रमाण पत्र को सम्बन्धित कार्यालयाध्यक्ष द्वारा स्वयं प्रतिहस्ताक्षरित कर मूलरूप में संलग्न कर प्रेषित किया जाय।

(18) उत्तर प्रदेश मृत सरकारी सेवको के आश्रितों की भर्ती नियमावली-1974 एवं संशोधित 1993 के अधीन इस आशय का प्रमाण-पत्र की प्रस्तावित मृतक आश्रित के सम्बन्ध में प्रेषित की जाने वाली सभी सूचनाओं का भली भाँति परीक्षण कर लिया गया है। अंकित सूचनाएँ एवं संलग्न प्रपत्र पूर्णता सत्य है एवं प्रकरण का पुलिस कार्यालय में रखे मृतक आश्रितों के सेवायोजन प्रदान किये जाने विषयक स्थायी रजिस्टर में क्रमांक पर अंकित कर दिया गया है से सम्बन्धित प्रमाण-पत्र-घ भर कर प्रेषित किया जायेगा।

(19) उत्तर प्रदेश मृत सरकारी सेवको के आश्रितों की भर्ती नियमावली-1974 एवं संशोधित 1993 एवं 2006 के अन्तर्गत तैयार किये गये प्रस्ताव के प्रत्येक पृष्ठ पर एवं उसके साथ संलग्न समस्त प्रपत्रों पर स्वयं कार्यालयाध्यक्ष के हस्ताक्षर पदनाम की मुहर के साथ अंकित होगा तथा कार्यालयाध्यक्ष के हस्ताक्षर के द्वारा ही भेजा जायेगा।

(20) मृतक आश्रित के सेवायोजन प्रस्ताव सम्बन्धित जनपद/इकाई के क्षेत्राधिकारी कार्यालय/पुलिस उपाधीक्षक अथवा जनपद/इकाई के कार्यालयाध्यक्ष द्वारा नामित अधिकारी ही लेकर आयेंगे। इस आशय का प्राधिकार पत्र भी लायेंगे कि उन्हें सेवायोजन प्रस्ताव पुलिस मुख्यालय में उपलब्ध कराने हेतु अधिकृत किया जाता है, प्राधिकार पत्र में भेजे जाने प्रस्तावों का उल्लेख होगा तथा नामित अधिकारी का हस्ताक्षर सम्बन्धित जनपद/इकाई के कार्यालयाध्यक्ष द्वारा प्रमाणित किया जायेगा। इस हेतु अपने साथ अपने नाम व पदनाम की मुहर अवश्य लायेंगे अन्यथा प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे, जिससे उनसे सेवायोजन के सत्यापन का प्रमाण-पत्र प्राप्त किया जा सके। प्रमाण-पत्र का प्रारूप संलग्न है।

(21) पीएसी वाहिनियों के मृतक आश्रित के सेवायोजन प्रस्ताव दो प्रतियों पुलिस मुख्यालय को उपलब्ध कराया जायेगा क्योंकि प्रस्ताव अनुमोदनोपरांत

Swat
an

आवश्यक कार्यवाही हेतु पीएसी मुख्यालय को भेजा जाता है तथा इसकी प्रति पुलिस मुख्यालय में रखी जायेगी।

(22) प्रस्ताव के साथ कार्यालय के सम्बन्धित सहायक मृतक आश्रित के सेवायोजन की मूल पत्रावली सहित अनिवार्य रूप से राजपत्रित अधिकारी के साथ पुलिस मुख्यालय में आयेगे।

(23) मृतक आश्रित का जो प्रस्ताव पुलिस मुख्यालय में उपलब्ध कराया जायेगा, उसकी एक अतिरिक्त प्रति स्व० कर्मी के सम्बन्धित प्रस्तावक कार्यालय में स्थायी रूप से रखा जायेगा, जिसे कभी नष्ट नहीं किया जायेगा। यह स्थायी अभिलेख होगा।

(24) मृतक आश्रितों के सेवायोजन के प्रकरण में जो भी पत्राचार जनपद/इकाई से किया जायेगा उस पत्र पर अधिकारी का नाम/पदनाम अंकित होगा अन्यथा पुलिस मुख्यालय द्वारा उसे संज्ञान में नहीं लिया जायेगा।

24- पुलिस मुख्यालय के अनुमोदन आदेश के उपरान्त मृतक आश्रितों को नियुक्ति आदेश दिये जाने से पूर्व नियुक्ति प्राधिकारी का दायित्व

(1) पुलिस मुख्यालय द्वारा अनुमोदन "बारकोड" युक्त अनुमोदन पत्र निर्गत किया जायेगा तथा अनुमोदन आदेश पर आश्रित का जनपद/इकाई से प्राप्त प्रमाणित फोटो चस्पा रहेगा। कार्यालयाध्यक्ष/नियुक्ति अधिकारी "बारकोड" एवं फोटोयुक्त अनुमोदन आदेश मूल रूप में प्राप्त होने पर ही सेवायोजन के सम्बन्ध नियमानुसार कार्यवाही करेंगे।

(2) कार्यालयाध्यक्ष/नियुक्ति अधिकारी मृतक आश्रित के पक्ष में सेवायोजन हेतु पुलिस मुख्यालय से अनुमोदन प्राप्त होने के उपरान्त स्वयं आश्रित का साक्षात्कार लेंगे एवं पूर्णरूपेण संस्तुष्ट होने के उपरान्त कि वह वास्तव में मृतक आश्रित है तथा सब प्रकार शासकीय सेवा हेतु अर्ह है। इसके सेवायोजन में किसी प्रकार की अनियमितता नहीं है, तभी उसे सेवायोजित करने की कार्यवाही करेंगे।

(3) मृतक आश्रित की नियुक्ति के पूर्व नियुक्ति अधिकारी पूरी तरह संस्तुष्ट होने के उपरान्त मृतक आश्रित से एक शपथ-पत्र जिसमें उसका फोटोग्राफ भी चस्पा होगा, लेंगे, जिसमें स्व० कर्मी का नाम, पदनाम, मृत्यु का दिनांक तथा उसके वास्तविक मृतक आश्रित होने एवं परिवार के अन्य किसी सदस्य द्वारा मृतक आश्रित सेवायोजन नियमावली के अन्तर्गत सेवायोजन का लाभ न लिये जाने का उल्लेख होगा। उक्त शपथ-पत्र की एक प्रति आश्रित के सेवायोजन पत्रावली पर रखा जायेगा तथा दूसरी छायाप्रति कार्यालयाध्यक्ष द्वारा स्वयं प्रमाणित करते हुये मृतक आश्रित के नियुक्ति आदेश की प्रति सहित कार्यालय प्रधान अपने स्वयं के हस्ताक्षरित पत्र द्वारा इसे पुलिस मुख्यालय अग्रसारित करेंगे। (आश्रित से नियुक्ति के पूर्व लिये जाने वाले शपथ-पत्र संलग्न प्रारूप में लिया जायेगा)

(4) मृतक आश्रितों के पक्ष में जनपद/इकाई स्तर से निर्गत होने वाले नियुक्ति आदेश का आलेख सादे "फुलस्केप पेपर" पर संलग्न प्रारूप में ही निर्गत किया जायेगा (नियुक्ति आदेश का प्रारूप संलग्न है)

(5) इस सम्बन्ध में उल्लेख करना है कि विगत वर्षों में कतिपय मृतक आश्रितों के फर्जी सेवायोजन के मामले प्रकाश में आने के फलस्वरूप शासन ने शासनआदेश संख्या: 146/6-पु०-10/2008-1200(173)/07, दिनांक 24.01.2008 द्वारा मृतक आश्रित सेवायोजन नियमावली के अन्तर्गत वयन प्रक्रिया को और अधिक फुल प्रूफ बनाये जाने एवं हर स्तर पर दायित्व निर्धारित करने के निर्देश दिये हैं। अतः एस०आई०(एम)/आशुलिपिक तथा उपनिरीक्षक ना०पु० के दक्षता मूल्यांकन में सफल अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश पुलिस मुख्यालय स्तर से नहीं निर्गत किये जायेगे है। यह आदेश भविष्य में सम्बन्धित जनपद/इकाई के परिक्षेत्रीय पुलिस उपमहानिरीक्षक, के स्तर से, पुलिस मुख्यालय के अनुमोदन आदेश निर्गत किये जाने के उपरान्त, नियमानुसार निर्गत किये जायेगे।

Swat
24/2

(6) किसी भी मृतक आश्रित को सर्वप्रथम उसी जनपद/इकाई में नियुक्ति प्रदान की जायेगी, जिस जनपद/इकाई से आश्रित के स्व(0) पिता/पति की मृत्यु हुयी। किन्तु यदि आश्रित महिला है और उसे कान्सटेबिल के पद पर नियुक्त किया जाना है तो उसकी नियुक्ति आदेश सम्बन्धित वाहिनी/इकाई के जनपदों में ही की जायेगी क्योंकि पीएसी वाहिनियों में महिला आरक्षियों की नियुक्ति नहीं की जाती है तथा इकाई में महिला आरक्षियों की किट नहीं होती है।

(7) मृतक आश्रित के सेवायोजन के उपरान्त उसके कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से 01 वर्ष तक उसे किसी परिस्थिति में वहाँ से स्थानान्तरित नहीं किया जायेगा, तथापि यदि किसी स्तर से उसका स्थानान्तरण हो जाता है, तो सम्बन्धित जनपद/इकाई से उक्त आश्रित को कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से 01 वर्ष तक किसी भी परिस्थिति में कार्यमुक्त नहीं किया जायेगा। यदि ऐसा किया जाता है तो सम्बन्धित कार्यालय स्वयं उत्तरदायी होंगे। यदि किन्ही विशेष परिस्थिति में ऐसा किया जाना अपरिहार्य हो तो इस सम्बन्ध में पूर्ण विवरण प्रेषित कर पुलिस मुख्यालय का स्पष्ट निर्देश प्राप्त कर लिया जाय।

3. कृपया मृतक आश्रित सेवायोजन नियमावली के अन्तर्गत सेवायोजित करने के सम्बन्ध में दिये जा रहे दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। यह परिपत्र कार्यालय की गार्डफाइल में स्थाई रूप से रखा जायेगा।
संलग्नक उपरोक्तानुसार।

Smriti
24/12/08
डा० संजय एम० तरडे
पुलिस उपमहानिरीक्षक,स्थापना
उत्तर प्रदेश।

संख्या तथा दिनांक वही

प्रतिलिपि: विशेष सचिव(गृह),उत्तर प्रदेश शासन,गृह पुलिस अनुभाग-10, लखनऊ को शासन के निर्देश संख्या:146/6-पु०-10/2008-1200 (173)/07, दिनांक 24.01.2008 के संदर्भ में सादर सूचनार्थ प्रेषित।

संख्या तथा दिनांक वही

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ प्रेषित:-

- 1- अपर पुलिस महानिदेशक,कार्मिक,उत्तर प्रदेश लखनऊ।
- 2- पुलिस महानिदेशक के सहायक,उत्तर प्रदेश लखनऊ
- 3- पुलिस महानिरीक्षक,स्थापना,उत्तर प्रदेश लखनऊ।
- 4- समस्त वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण पुलिस मुख्यालय,इलाहाबाद।
- 5- समस्त विशेष कार्याधिकारी,पुलिस मुख्यालय,इलाहाबाद।
- 6- अनुभाग अधिकारी, अनुभाग-20 को पाँच प्रतियों गजट एंव गार्ड फाइल पर रखने हेतु।
- 7- समस्त अनुभाग अधिकारी पुलिस मुख्यालय, इलाहाबाद
- 8- समस्त गोपनीय सहायक,,पुलिस मुख्यालय,इलाहाबाद।

चेक लिस्ट/प्रारूप

उत्तर प्रदेश मृत सरकारी सेवको के आश्रितों की भर्ती नियमावली-1974 सपठित नियमावली-1993, 2006 के अधीन सरकारी कर्मचारियों की सेवाकाल में मृत्यु के उपरान्त परिवार के आश्रितों में से एक सदस्य को मृतक आश्रित के रूप में सेवायोजन प्रदान किये जाने विषयक प्रस्ताव

1-	मृत सरकारी सेवक का नाम	-----
2-	मृत सरकारी सेवक का पदनाम	-----
3-	मृत सरकारी सेवक की मृत्यु पूर्व नियुक्ति स्थान/कार्यालय का नाम	-----
4-	मृत सरकारी सेवक की जन्मतिथि (सेवा अभिलेख के अनुसार प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय)	परिशिष्ट-----
5-	मृत सरकारी सेवक की भर्ती तिथि	-----
6-	मृत सरकारी सेवक की नियुक्ति का प्रकार (तदर्थ/नियमित/स्थायी/अस्थायी आकस्मिक)	-----
7-	मृत सरकारी सेवक की मृत्यु तिथि (मृत्यु का प्रमाण-पत्र के अनुसार, कार्यालय प्रमुख द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संलग्न किया जाय) ।	-----
8	मृत सरकारी सेवक की मृत्यु की परिस्थितियों का संक्षिप्त विवरण	-----
9	मृत सरकारी सेवक, मृत्यु के समय डिप्युटी पर था अथवा अवकाश पर	-----
10	मृत सरकारी सेवक के कुटुम्ब के सदस्यों का नाम आयु (हाईस्कूल की सनद अथवा जन्म प्रमाण-पत्र के अनुसार) तथा आय व वैवाहिक स्थिति	नाम-----आयु नाम-----आयु नाम-----आयु
11	मृत सरकारी सेवक की एक से अधिक पत्नियों हो तो पत्नियों के नाम आयु (हाईस्कूल की सनद अथवा जन्म प्रमाण-पत्र के अनुसार)	नाम-----आयु नाम-----आयु
12	मृत सरकारी सेवक के पत्नी के द्वारा इस आशय का शपथ-पत्र वह किसे सेवायोजन दिलाना चाहती है, का विवरण एवं परिवार के समस्त सदस्यों वयस्क /अवयस्क दोनों का विवरण (नाम/आयु/शिक्षा/व्यवसाय) अंकित होगा सम्मिलित हो से सम्बन्धित शपथ-पत्र (प्रारूप-क)	परिशिष्ट-----
13	मृत सरकारी सेवक के कुटुम्ब के सदस्यों का वार्षिक आय का विवरण	परिशिष्ट----- परिशिष्ट-----
14	इस आशय का प्रमाण-पत्र की स्थायी अभिलेख एवं पेंशन पत्रावली पर प्रस्तुत कुटुम्ब की सूची से सेवायोजन के प्रस्ताव के लिये प्रस्तुत कुटुम्ब की सूची की समीक्षा कर ली गयी कोई अन्तर नहीं पाया गया है पेंशन पत्रावली पर प्रस्तुत कुटुम्ब की सूची की प्रमाणित प्रति (पेंशन प्रपत्र भाग दो संलग्न किया जाय)	सदस्यों के नाम की सूची परिशिष्ट-- पेंशन भाग दो की प्रमाणित सूची परिशिष्ट--
15	मृत सरकारी सेवक के कुटुम्ब के वयस्क सदस्यों का शपथ-पत्र/ सहमति जिन्हे सेवायोजन दिलाना चाहते हो, के पक्ष में (प्रारूप-ख)	परिशिष्ट----- परिशिष्ट----- परिशिष्ट----- परिशिष्ट-----

कार्यालय प्रमुख का नाम
पद नाम
जनपद/इकाई का नाम

16	मृत सरकारी सेवक के आश्रित के पक्ष में निर्गत किये गये पी०पी०ओ०/जी०पी०ओ० की संख्या व दिनांक (प्रमाण हेतु प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करें)	परिशिष्ट-----
17	मृत सरकारी सेवक के कुटुम्ब के एक से अधिक सदस्यो द्वारा सेवायोजन की माँग की जा रही है तो उनमें से जिस आश्रित को नामित किया जा रहा है उससे नामित किये जाने के कारण सहित विस्तृत विवरण अंकित करें	----- ----- ----- -----
18	मृतक आश्रित सेवायोजन नियमावली-1974 के अर्न्तगत इससे पूर्व कुटुम्ब के किसी आश्रित सदस्य की नियुक्ति की सुविधा प्राप्त हुई हो तो ऐसी स्थिति में स्पष्ट किया जाय किस सम्बन्धित को किस पद पर नियुक्ति दी गयी है तथा इस सम्बन्ध में पुलिस मुख्यालय के आदेश संख्या व दिनांक का उल्लेख करें।	-----
19	इस आशय का प्रमाण-पत्र कि मृत सरकारी सेवक के किसी भी आश्रित को उत्तर प्रदेश मृत सरकारी सेवको के आश्रितो की भर्ती नियमावली-1974 सपठित नियमावली-1993, 2006 के अधीन के अधीन सेवायोजन का लाभ प्रदान नहीं किया गया है से सम्बन्धित प्रमाण पत्र (प्रारूप-घ)	परिशिष्ट-----
20	मृत सरकारी सेवक के घर के पते (स्थायी एवं अस्थायी) पर सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी से कराई गयी जाँच आख्या की मूल प्रति जिसमें मृतक के कुटुम्ब के किसी भी सदस्य को पूर्व में सेवायोजन का लाभ तो प्रदान नहीं किया गया है तथा अवयस्क/वयस्क सदस्यो की वैवाहिक स्थिति तथा आय का श्रोत और यदि किसी सेवा में है तो उसका विवरण सम्बन्धित प्रमाण-पत्र	परिशिष्ट----- अनुलग्नक- अनुलग्नक- अनुलग्नक-
21	मृतक आश्रित का नाम	-----
22	मृतक आश्रित की जन्मतिथि हाईस्कूल के सनद अथवा जन्म प्रमाण पत्र के अनुसार अंको तथा शब्दो में।	----- -----
23	मृतकआश्रित की शैक्षिक योग्यता	-----
24	मृत सरकारी सेवक के आश्रित का शपथ-पत्र जिन्हे सेवायोजन हेतु नामित किया गया है (प्रारूप-ग)	परिशिष्ट-----
25	मृतक आश्रित का प्रार्थना-पत्र जिसमें शैक्षिक योग्यता आयु, अपेक्षित पद का उल्लेख तथा जाति विषयक प्रमाण-पत्र (यदि आरक्षित वर्ग से है तो दिनांक सहित)	प्रार्थनापत्र परिशिष्ट----- परिशिष्ट----- परिशिष्ट----- परिशिष्ट-----

कार्यालय प्रमुख का नाम
पद नाम
जनपद/इकाई का नाम

26	शैक्षिक प्रमाण-पत्रों/अंक तालिकाओं का सत्यापन माध्यमिक शिक्षा बोर्ड/विश्व विद्यालय से एवं हाईस्कूल से कम शिक्षित होने पर जिला विद्यालय निरीक्षक से सत्यापन कराकर सत्यापन आख्या (कार्यालयप्रमुख द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित)	मा10शि0बोर्ड- विश्वविद्यालय जि0वि0नि0	परिशिष्ट----- परिशिष्ट----- परिशिष्ट-----	
27	मृतक आश्रित का चरित्र सत्यापन स्थाई व अस्थायी पते पर तथा अभिसूचना मुख्यालय द्वारा कराया गया चरित्र सत्यापन आख्या मूलरूप में संलग्न की जायेगी।		स्थाई पते पर परिशिष्ट--- अस्थायी पते पर परिशिष्ट--- अभि0मुख्यालय परिशिष्ट---	
28	मृतक आश्रित के पक्ष दो राजपत्रित अधिकारियों द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण-पत्र जो छः से पुराना न हो		1-राजपत्रितअधिकारीनाम----- परिशिष्ट----- 1-राजपत्रितअधिकारीनाम----- परिशिष्ट-----	
29	मृतक आश्रित की वैवाहिक स्थिति यदि विवाहित है तो जीवित पत्नी का नाम/ आयु व शैक्षिक योग्यता		नाम-----आयु	
30	मृतक आश्रित से निम्न स्थिति में तत्सम्बन्धी विवरण सहित इस आशय घोषणा पत्र प्राप्त कर संलग्न किया जाय कि 1-यदि वर्तमान समय में मृतक आश्रित कहीं सेवारत है ? 2-यदि पूर्व में सेवारत रहा हो? 3-यदि सेवा त्यागपत्र दे दिया तो? 4-यदि सेवा से पृथक कर दिया गया हो तो		परिशिष्ट-----	
31	यदि मृतक आश्रित आरक्षित वर्ग का है तो जाति प्रमाण-पत्र पत्र (जो जिलाधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित होगा)		1-प्रमाण-पत्र निर्गत करने वाले राजपत्रित अधिकारी नाम----- परिशिष्ट-----	
32	मृतक आश्रित का नवीनतम फोटोग्राफ जो छः से पुराना न हो चस्पा कर कार्यालयाध्यक्ष द्वारा प्रमाणित किया जाय		प्रमाणित फोटोग्राफ	
33	मृतक आश्रित का शारीरिक नाप जो छः माह से पुराना न हो फोटोग्राफ चस्पा कर प्रमाणित करें (प्रतिसार निरीक्षक द्वारा प्रदत्त किया गया प्रमाण-पत्र)(कार्यालयप्रमुख द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित)	ऊँचाई	सीना फुलाने पर	सीना विना फुलाये
34	मृतक आश्रित का स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र छः माह से पुराना न हो फोटोग्राफ चस्पा कर प्रमाणित करें (मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त किया गया प्रमाण-पत्र) (कार्यालयप्रमुख द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित)	ऊँचाई	सीना फुलाने पर	सीना विना फुलाये
35	इस आशय का प्रमाण-पत्र की पुलिस कार्यालय द्वारा मृतक आश्रित के सेवायोजन का विवरण स्थाई रूप से रखे गये "मृतक आश्रित सेवायोजन रजिस्टर" में अंकित कर दिया गया है से सम्बन्धित प्रमाण पत्र (प्रारूप-च)		स्थाई जिस्टर का पृष्ठ संख्या--- क्रम संख्या--- प्रमाण-पत्र परिशिष्ट-----	

कार्यालय प्रमुख का नाम
पद नाम
जनपद/इकाई का नाम

36	<p>इस आशय का प्रमाण-पत्र की उपरोक्त क्रम सं० 01 से लेकर क्रम संख्या-35 तक अर्कित सभी प्रविष्टियों को मेरे द्वारा भेली भौति जोच कर लिया गया है जो सूचनाये अर्कित है वे सही है एवं आवेदक द्वारा मॉगे जा रहे पद पर सेवायोजन की संस्तुति की जाती है।(अपेक्षित पद नाम का उल्लेख कार्यालयाध्यक्ष द्वारा करते हुये संस्तुति की जायेगी)</p>	
----	---	--

कार्यालय प्रमुख का नाम
 पद नाम
 जनपद/इकाई का नाम

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि जनपद/इकाई-----
के पत्र संख्या----- दिनांक----- के
माध्यम से प्रेषित स्व0
-----जिनकी मृत्यु
दिनांक----- सेवाकाल में हुई है के आश्रित श्री
----- को ----- के
पद पर सेवायोजन सम्बन्धी प्रस्ताव पुलिस मुख्यालय में उपलब्ध
कराया गया है। यह प्रस्ताव समस्त संलग्नको सहित
जनपद/इकाई '----- से ही प्रेषित किया गया है।
प्रस्ताव के साथ संलग्न समस्त प्रपत्रों का परीक्षण मेरे द्वारा कर
लिया गया है, प्रस्ताव पूर्णतया सही है तथा इसी जनपद/इकाई
के स्व0 कर्मी के वास्तविक आश्रित के पक्ष में प्रस्ताव है। यह
प्रकरण फर्जी नहीं है एवं मृतक आश्रित के द्वारा उपलब्ध कराये
गये शिक्षा एवं जाति सम्बन्धी प्रमाण-पत्रों की सत्यता की पुष्टि
क्रमशः जिला विद्यालय निरीक्षक /शिक्षा बोर्ड/विश्वविद्यालय एवं
सम्बन्धित जिला अधिकारी के माध्यम से करा ली गयी है।
इसके पूर्व इस स्व0 कर्मी के किसी अन्य आश्रित को सेवायोजन
का लाभ नहीं दिया गया है। इसकी पुष्टि अधोहस्ताक्षरी द्वारा
की जाती है।

हस्ताक्षर :-

नाम :-

पदनाम:-

कार्यालय का नाम:-

(राजपत्रित अधिकारी का नाम/
पदनाम की मुहर)

यह प्रमाण-पत्र आज दिनांक
----- को मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

शपथ-पत्र का प्रारूप-2

शपथी का फोटोग्राफ नोटरी द्वारा प्रमाणित

नाम-----उम्र-----वर्ष पुत्र/पुत्री/पत्नी स्व0 -----
निवासी ग्राम ----- पोस्ट ----- थाना ----- जनपद-----
का शपथ-पत्र
मैं -----उपर्युक्त अभिसाक्षी शपथपूर्वक निम्नलिखित
अभिकथन
करता है:-

- (1) यह कि शपथी द्वारा अपने सेवायोजन के सम्बन्ध में जो सूचना/शैक्षिक प्रमाण-पत्र तथा प्रपत्र इत्यादि दिया गया है वह सही है।
- (2) यह कि शपथी द्वारा सेवायोजन के सम्बन्ध में दिये गये मृतक कर्मी के सम्बन्ध में नाम/पद/नियुक्ति का विवरण आदि सही है एवं वह मृतक का वास्तविक वारिस है।
- (3) यह कि शपथी के परिवार में स्व0 कर्मी की मृत्यु के बाद किसी भी अन्य सदस्य द्वारा कभी भी मृतक आश्रित सेवायोजन नियमावली के अन्तर्गत सेवायोजन का लाभ नहीं लिया गया है।
- (4) यह कि शपथ-पत्र के प्रस्तर- 1 से 3 तक में अंकित कथन सत्य है तथा शपथी द्वारा कोई तथ्य छिपाया नहीं गया है।

अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

प्रमाण पत्र

उत्तर प्रदेश सेवाकाल में मृत सरकारी सेवको के आश्रितो की भर्ती
नियमावली-1974 के अधीन जनपद/इकाई----- स्व0-----
-----के आश्रित ----- का मृतक
आश्रित के रूप में -----के पद पर सेवायोजन हेतु शारीरिक नाप जोख
विवरण निम्नवत् है:-

लम्बाई ----- सेन्टीमीटर

सीने की नाप (पुरुष अभ्यर्थी के लिये)

सीना विना फुलाये-----

सीना फुलाने पर-----

मृतक आश्रित का वजन (महिला अभ्यर्थी के लिये)

वजन ----- किलोग्राम में

हस्ताक्षर :-

नाम :-

पदनाम:-

प्रतिहस्ताक्षरित

(कार्यालयाध्यक्ष का नाम/
पदनाम की मुहर)

नियुक्ति आदेश का प्रारूप (कान्सटेबिल के पद)

आदेश

स्व0----- (पदनाम सहित नाम) का दिनांक ----- को मृत्यु के उपरान्त आश्रित पुत्र/पुत्री/पत्नी ----- निवासी- ग्राम ----- पोस्ट ----- थाना ----- जनपद----- को उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय इलाहाबाद द्वारा दिये गये के अनुमोदन आदेश संख्या: 18/ए----- दिनांक ----- के अनुपालन में उत्तर प्रदेश मृत सरकारी सेवको के आश्रितों की भर्ती नियमावली- 1974 सपठित नियमावली-1993, 2006 के अधीन कान्सटेबिल (रिक्त) के पद पर अस्थाई रूप से जनपद/इकाई ----- में नियुक्त प्रदान की जाती है। इन्हें नियमानुसार अनुमन्य नियत वेतन/स्टाइपेन्ड रूपया----- दिया जायेगा। यह नियुक्ति पूर्णतया अस्थाई होगी जो कभी समाप्त की सकती है। प्रतिसार निरीक्षक उक्त मृतक आश्रित अभ्यर्थी को पूर्ण किट प्रदान कर जनपद में ही रखकर प्रारम्भिक प्रशिक्षण (जे0टी0सी0) कराना सुनिश्चित करें।

नाम

पदनाम

कार्यालय का नाम

नियुक्ति प्राधिकारी

कार्यालय का नाम-----

आदेश संख्या

दिनांक-----

प्रतिलिपि प्रतिसार निरीक्षक, पुलिस लाइन ----- को हिन्दी आदेश पुस्तिका में प्रकाशित करने तथा उक्त अभ्यर्थी के भर्ती /प्रशिक्षण सम्बन्धी समस्त कार्यवाही समय से पूर्ण करने, जे0टी0सी0 कराने किट देने हेतु प्रेषित। भर्ती से सम्बन्धित अभिलेख भली भाँति अवलोकत्र करने हेतु संलग्न कर प्रेषित की जा रही है जो अवलोकनोपरान्त मूलरूप में इस कार्यालय को अभिलेख हेतु वापस प्रेषित किया जाना सुनिश्चित करेंगे।

संलग्नक उपरोक्तानुसार ।

प्रतिलिपि आकिंक, पुलिस कार्यालय ----- को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

प्रतिलिपि:- श्री/कुमारी/श्रीमती -----पुत्र/पुत्री/पत्नी

स्व0----- निवासी- ग्राम ----- पोस्ट ----- थाना ----- जनपद----- को इस आशय से प्रेषित है कि वे आदेश प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अपना समस्त शैक्षिक अभिलेख प्रमाण-पत्र इत्यादि एंव मेस एडवांस व जाड़े व गर्मी के वस्त्र एंव विस्तर आदि लेकर पुलिस लाइन ----- में आगमन सुनिश्चित करें। घर से नियुक्ति स्थान तक आने का कोई यात्रा भत्ता आदि देय नहीं होगा।

संख्या तथा दिनांक वही

प्रतिलिपि पुलिस उपमहानिरीक्षक, स्थापना पुलिस मुख्यालय, इलाहाबाद को उनके पत्र संख्या:18/ए----- दिनांक ----- के संदर्भ में सूचनार्थ प्रेषित

नियुक्ति आदेश का प्रारूप(चतुर्थ श्रेणी के पद)

आदेश

स्व0----- (पदनाम सहित नाम) का दिनांक ----- को मृत्यु के उपरान्त आश्रित पुत्र/पुत्री/पत्नी ----- निवासी- ग्राम ----- पोस्ट ----- थाना ----- जनपद----- को उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय इलाहाबाद द्वारा दिये गये के अनुमोदन आदेश संख्या: 18/ए----- दिनांक ----- के अनुपालन में उत्तर प्रदेश मृत सरकारी सेवको के आश्रितों की भर्ती नियमावली- 1974 सपठित नियमावली-1993, 2006 के अधीन चतुर्थ श्रेणी के पद पर वेतनमान रूपया----- में अस्थाई रूप से जनपद/इकाई कार्यालय का नाम ----- नियुक्त किया जाता है। यह नियुक्ति पूर्णतया अस्थाई होगी जो कभी समाप्त की सकती है।

नाम

पदनाम

कार्यालय का नाम

नियुक्ति प्राधिकारी

कार्यालय का नाम-----

आदेश संख्या

दिनांक-----

प्रतिलिपि प्रतिसार निरीक्षक, पुलिस लाइन ----- को हिन्दी आदेश पुस्तिका में प्रकाशित करने तथा आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

प्रतिलिपि आकिंक, पुलिस कार्यालय ----- को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

प्रतिलिपि:- श्री/कुमारी/श्रीमती -----पुत्र/पुत्री/पत्नी स्व0----- निवासी- ग्राम ----- पोस्ट ----- थाना ----- जनपद----- को इस आशय से प्रेषित है । कवे आदेश प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अपना समस्त शैक्षिक अभिलेख प्रमाण-पत्र इत्यादि एंव मेस एडवास व जाड़े व गर्मी के वस्त्र एंव विस्तर आदि लेकर पुलिस लाइन ----- में आगमन सुनिश्चित करें। घर से नियुक्ति स्थान तक आने का कोई यात्रा भत्ता आदि देय नहीं होगा।

संख्या तथा दिनांक वही

प्रतिलिपि पुलिस उपमहानिरीक्षक, स्थापना पुलिस मुख्यालय, इलाहाबाद को उनके पत्र संख्या:18/ए----- दिनांक ----- के संदर्भ में सूचनार्थ प्रेषित

परिशिष्ट - "घ"

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि मृत सरकारी सेवक के किसी आश्रित को मृतक आश्रित सेवा नियमावली-1974 के अन्तर्गत कभी भी सेवायोजित नहीं किया गया है ।

मृत मृताक स्व(0)-----के आश्रित पुत्र/पुत्री/पत्नी-----
को पद-----पद सेवामयोजित किए जाने का प्रथम प्रकरण है । यह प्रकरण सत्य है एवं मेरे द्वारा पूर्ण परीक्षण कर लिया गया है ।

दिनांक:

(नाम ~~स्व~~ हस्ताक्षर)
(वरिष्ठ/पुलिस अधीक्षक/सेनानायक/कार्यालय
प्रधान के हस्ताक्षर नाम की मुहर लगाई जाय)

परिशिष्ट - "च"

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि प्रारूप के कालम 1 से 3⁰ तक अंकित सम्पूर्ण सूचनाओं का मेरे द्वारा भली भांति परीक्षण कर लिया गया है। अंकित सूचनाएं एवं संलग्न प्रमात्र पूर्णतः सत्य हैं एवं आवेदक भागि गये पद की योग्यता रखता है तथा इस प्रकरण का कार्यालय में रखे रथाई रजिस्टर के क्रमांक----- पर अंकन कर दिया है ।

(नाम एवं हस्ताक्षर)

(वरिष्ठ/पुलिस अधीक्षक/सेनानायक/कार्यालय
प्रधान के हस्ताक्षर नाम की मुहर लगाई जाय)

समाप्त पुलिस उप महानिरीक्षक (स्थापना) उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय, इलाहाबाद-1

आवेदक का शपथ पत्र

नाम ----- उम्र ----- लगभग ----- वर्ष ----- पुत्र/पुत्री श्री
----- निवासी ----- थाना ----- का शपथ पत्र।

मैं ----- उपर्युक्त अभिसाक्षी शपथपूर्वक निम्नलिखित बयान करनता हूँ:-

- 1- यह कि मैं स्व० ----- का पुत्र/पुत्री/पत्नी/अविवाहित/विधवा पुत्री हूँ । जो मृत्यु से पूर्व उ०प्र० पुलिस में ----- पद ----- स्थान पर कार्यरत थे ।
- 2- यह कि मैं उत्तर प्रदेश सरकार के पुलिस विभाग में ----- पद पर नियुक्ति हेतु जिला ----- से एक मृतक आश्रित अभ्यर्थी हूँ । इस पद हेतु यदि मुझे अर्ह अथवा पद के सापेक्ष अपेक्षित योग्यता/कुशलता के न्यूनतम स्तर के अनुकूल नहीं पाया जाता तो मैं अन्य किसी भी पद पर नियुक्ति हेतु इच्छुक हूँ ।
- 3- यह कि मेरे विरुद्ध कोई अपराधिक मुकदमा/मामला मेरी जानकारी में कभी पंजीकृत नहीं हुआ है और न ही कोई पुलिस विवेचना लम्बित है ।
- 4- यह कि मैं किसी राष्ट्र विरोधी राजनैतिक पार्टी का कभी सदस्य नहीं रहा हूँ और न हूँ ।
- 5- यह कि कभी मुझे अपराधिक मामले में गिरफ्तार नहीं किया गया है ।
- 6- यह कि मेरा कभी अपराधिक मामले में पुलिस में चालान नहीं किया गया है ।
- 7- यह कि आवेदन पत्र में उल्लेखित यदि कोई बात किसी भी समय असत्य पायी जाय अतः किसी सत्य को छिपाया गया हो तो मेरी नियुक्ति निरस्त कर दिया जाय तथा मुझे विधिक दण्ड दिया जाय ।
- 8- यह कि आवेदन पत्र भरने के दस वर्ष पूर्व तक किसी विध्वंसक कार्य में भाग नहीं लिया ।
- 9- यह कि अपराधिक मामले जो मेरे विरुद्ध पंजीकृत हुए हैं या जिसमें मेरा चालान किया गया था जो मेरे विरुद्ध विचाराधीन न्यायालय अथवा विवेचनाधीन पुलिस है उन विवरण निम्नवत् हैं:-
- 10- यह कि यदि इस शपथ पत्र में अंकित तथ्य भविष्य में कभी भी गलत पाये जाये तो कोर्स/सर्विस से तुरन्त पृथक कर दिया जावे तथा विधिक दण्ड दिया जाय ।
- 11- मैं ----- चली/पुत्र/पुत्री स्व० श्री ----- प्रमाणित करता हूँ कि संघ सरकार या किसी राज्य सरकार अथवा केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन या उसके द्वारा किसी नियंत्रित किसी निगम में कभी भी सेवा से पदच्युत नहीं किया गया । **की गमी हूँ।**

- (11) मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि केंद्रीय सरकार तथा राज्य सरकार के अथवा केंद्रीय सरकार या राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन या उसके द्वारा नियंत्रित किसी निगम के अधीन पहले से सेवायोजित नहीं हूँ।
- (12) मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि मेरे पिता/पति की मृत्यु के पश्चात उनके परिवार के किसी आश्रित को (जिसमें मैं भी शामिल हूँ) उत्तर प्रदेश सेवाकाल में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियमावली 1974 के अधीन कभी भी सेवायोजित नहीं किया गया है।

अभिसाक्षी/शपथकर्ता ।

मैं उपयुक्त अभिसाक्षी, शपथपूर्वक सत्यापित करती/करता हूँ कि इस शपथ पत्र के प्रस्तर में उल्लिखित तथ्य मेरी व्यक्तिगत जानकारी तथा विश्वास में सत्य है, इस शपथ पत्र के प्रस्तर..... में उल्लिखित तथ्य अभिलेखों पर आधारित है, इस शपथ पत्र के प्रस्तर..... में उल्लिखित तथ्य सूचनाओं पर आधारित है, इस शपथ पत्र में उल्लिखित प्रस्तर तथ्य विधि सलाह पर आधारित है और जिन्हें मैं विश्वास करती/करता हूँ कि वह भी सत्य है, इसका कोई भी अंश असत्य अथवा झूठा नहीं है तथा कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया नहीं गया है । अस्तु ईश्वर मेरी रक्षा करें ।

अभिसाक्षी/शपथकर्ता ।

शपथ कर्ता/अभिसाक्षी का निशान-अंगूठा

आज दिनांक..... को बजे पूर्वाह्न/अपराह्न में सिविल कोर्ट जिला के प्रांगण में अभिसाक्षी द्वारा सत्यापित किया गया

अभिसाक्षी/शपथकर्ता ।

परिशिष्ट-"क"

मृतक के आश्रित के सम्पूर्ण परिवार (आश्रित पत्नी, पुत्रियां तथा पुत्रों) द्वारा दिए जाने वाले शपथ पत्र का प्रारूप ।

- 1- यह कि मैं बहलफ बयान करता हूँ कि मेरा नाम-----
पुत्र/पुत्री/पत्नी स्व०----- निवासी
ग्राम-----पोस्ट-----थला-----जिला-----का
निवासी हूँ ।
- 2- यह कि मैं बहलफ बयान करता हूँ कि मेरे पति/पिता
श्री-----पुलिस विभाग में (पद का नाम का उल्लेख करें)
पर (जनपद के नाम का उल्लेख करें) में थाना-----या कार्यालय-----में
कार्यरत थे जिनकी मृत्यु दिनांक:-----को (बीमारी/मुठभेड़ या अन्य कारण जो
भी अंकित करें) हो चुकी है ।
- 3- यह कि मैं बहलफ बयान करता हूँ कि मेरी जन्मतिथि (हाईस्कूल के सनद के
अनुसार) है । समस्त श्रात से प्राप्त की गयी मेरी मासिक आय-----है ।
तथा वार्षिक आय-----है । मेरी शादी वर्ष----- में हुई मेरी पत्नी/पति का
नाम ----- है ।
- 4- यह कि मैं बहलफ पर बयान करता हूँ कि मेरे स्व० पति/पत्नी पिता के स्थान
पर मृतक आश्रित नियमावली-1974 के अन्तर्गत मेरे पुत्र/पुत्री/बहन/भाई
नाम----- पुलिस विभाग में पद----- पर सेवायोजित किया जाता है तो
मुझे कोई एतराज नहीं है ।
- 5- यह कि बहलफ बयान करता हूँ कि मृतक आश्रित नाम-----
स्व०----- के वारिस है ।
- 6- यह कि बहलफ बयान करता हूँ कि मृतक स्व०----- के स्थान पर
अभी तक किसी को नौकरी नहीं दी गयी है ।
- 7- यह कि मैं बहलफ बयान करता हूँ कि उपरोक्त कथन सत्य है यदि असत्य पाया
गया तो उसकी पूर्ण जिम्मेदारी मेरी होगी तथा मेरे विरुद्ध जो भी कार्यवाही की
जायेगी मुझे मान्य होगी ।
- 8- यह कि उपरोक्त बयान हलफी की धारा-1 से 7 तक मेरे निजी ज्ञान से सब
सत्य है कुछ असत्य नहीं है एवं कोई महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया नहीं गया है । ईश्वर
मेरी मदद करें ।

परिशिष्ट-"ख"

मृतक आश्रित के रूप में सेवायोजित कराये जाने हेतु परिवार का शपथ पत्र ।

1- मैं शपथनी श्रीमती----- पत्नी----- स्व०----- ग्राम-----
पोस्ट----- थाना----- तहसील----- जनापद-----

की निवासिनी हूँ और शपथपूर्व निम्न कथन करती हूँ:-

2- यह कि शपथनी जन्म से भारतीय नागरिक है ।

3- यह कि शपथनी एवं शपथनी के परिवार के निम्न सभी सदस्य(सबका नाम) मेरे पुत्र/पुत्री नाम----- को पुलिस विभाग के पद----- पर सेवायोजित कराना चाहते है ।

4- यह कि शपथनी के परिवार के किसी भी सदस्य को मृतक आश्रित के रूप में सेवायोजन का लाभ पूर्व में या कभी प्रदान नहीं किया गया है ।

5- यह कि शपथनी के परिवार के किसी भी सदस्य श्री----- को मृतक आश्रित के रूप में सेवायोजित कराये जाने पर कोई आपत्ति नहीं है । इनकी शैक्षिक योग्यता----- है ।

6- यह कि मैं शपथनी एवं परिवार के समस्त सदस्य जिनके हस्ताक्षर क्रम से शपथ पत्र पर अंकित है, द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि शपथ पत्र की धारा-1 से 5 तक मेरे निजी ज्ञान एवं अधिकार से सत्य है । ईश्वर मेरी मदद करें ।

शपथनी-
एवं परिवार के सदस्यों
के हस्ताक्षर ।

परिशिष्ट-"क"

97

यदि मेरे आश्रित के सम्पूर्ण विवरण (आश्रित पत्नी, पुत्रियां तथा पुत्रों) द्वारा दिए जाने वाले उत्तर सत्य एवं सही प्रमाण हैं।

1- यह कि मैं बहलफ वधान करता हूँ कि मेरा नाम-----
पुत्र/पुत्री/पत्नी----- स्व०-----
ग्राम----- पोस्ट----- थला----- जिला----- का
निवासी हूँ।

2- यह कि मैं बहलफ वधान करता हूँ कि मेरे पति/पिता
श्री----- पुलिस विभाग में (पद का नाम का उल्लेख करें)
पर (जनपद के नाम का उल्लेख करें) में धाना----- या कार्यालय----- में
कार्यरत थे जिनकी मृत्यु दिनांक----- को (दीनारी/मुटभेड़ या अन्य कारण जो
भी अंकित करें) हो चुकी है।

3- यह कि मैं बहलफ वधान करता हूँ कि मेरी जन्मतिथि (हाईस्कूल के सनाद के
अनुसार) है। समस्त श्राव से प्राप्त की गयी मेरी मासिक आय----- है।
तथा वार्षिक आय----- है। मेरी शादी वर्ष----- में हुई मेरी पत्नी/पति का
नाम----- है।

4- यह कि मैं बहलफ पर वधान करता हूँ कि मेरे स्व० पति/पत्नी पिता के स्थान
पर मृतक आश्रित नियमावली-1974 के अन्तर्गत मेरे पुत्र/पुत्री/बहन/भाई
नाम----- पुलिस विभाग में पद----- पर सेवायोजित किया जाता है तो
मुझे कोई एतराज नहीं है।

5- यह कि बहलफ वधान करता हूँ कि मृतक आश्रित नाम-----
स्व०----- के वारिस है।

6- यह कि बहलफ वधान करता हूँ कि मृतक स्व०----- के स्थान पर
अभी तक किसी को नौकरी नहीं दी गयी है।

7- सब कि मैं बहलफ वधान करता हूँ कि उपरोक्त कथन सत्य है यदि असत्य पाया
गया तो उसकी पूर्ण जिम्मेदारी मेरी होगी तथा मेरे विरुद्ध जो भी कार्यवाही की
जायेगी मुझे मान्य होगी।

8- यह कि उपरोक्त वधान हलफ की धारा-1 से 7 तक मेरे निजी ज्ञान से सत्य
सत्य है कुछ असत्य नहीं है एवं कोई महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया नहीं गया है। ईश्वर
मेरी मदद करें।

परिशिष्ट - "ल"

मृतक आश्रित के रूप में सेवायोजित कराये जाने हेतु परिवार का शपथ पत्र

1- मैं शपथनी श्रीमती----- पत्नी----- स्व०----- गाम-----

कोट----- जामा----- तहसील----- जमपद-----

की विवाहिनी हूँ और शपथपूर्व निम्न कथन करती हूँ:-

1- यह कि शपथनी जन्म से भारतीय नागरिक है ।

2- यह कि शपथनी एवं शपथनी के परिवार के निम्न सभी सदस्य (सबका नाम) मेरे

पत्र/पुत्रीगोत्र----- को पुलिस विभाग के पद----- पर सेवायोजित कराना चाहते

है ।

3- यह कि शपथनी के परिवार के किसी भी सदस्य को मृतक आश्रित के रूप में

सेवायोजन का लाभ पूर्व में या कभी प्रदान नहीं किया गया है ।

4- यह कि शपथनी के परिवार के किसी भी सदस्य श्री----- को मृतक

आश्रित के रूप में सेवायोजित कराये जाने पर कोई आपत्ति नहीं है । इनकी शैक्षिक

योग्यता----- है ।

5- यह कि मैं शपथनी एवं परिवार के समस्त सदस्य जिनके हस्ताक्षर क्रम से शपथ

पत्र पर अंकित है, द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि शपथ पत्र की धारा-1 से 5 तक

मेरे निजी ज्ञान एवं अधिकार से सत्य है । ईश्वर मेरी मदद करें ।

शपथनी-
एवं परिवार के सदस्यों
के हस्ताक्षर ।

आवेदन का शपथ पत्र

नाम उम्र लगभग वर्ष पुत्र/पुत्री श्री
निवासी स्थाना का शपथ पत्र

1- मैं अपरिष्कृत अग्रियायी शपथपूर्वक निम्नलिखित बयान करनता हूँ-

1- यह कि मैं 1910-.....का पुत्र/पुत्री/पत्नी/अविवाहित/ विधवा पुत्री हूँ । जो
पुलिस में 1930 पुलिस में..... पदस्थान पर कार्यरत थे ।

2- यह कि मैं उत्तर प्रदेश सरकार के पुलिस विभाग मेंपद पर
नियुक्त हेतु जिहासे एक मृतक आश्रित अभ्यर्था हूँ । इस पद
हेतु यदि मुझे अहं अथवा पद के सापेक्ष अपेक्षित योग्यता/कुशलता के न्यूनतम स्तर के
अनुकूल नहीं पाया जाता तो मैं अन्य किसी भी पद पर नियुक्ति हेतु इच्छुक हूँ ।

3- यह कि मेरे विरुद्ध कोई अपराधिक मुकदमा/मामला मेरी जानकारी में कभी पंजीकृत
नहीं हुआ है और न ही कोई पुलिस विवेचना लम्बित है ।

4- यह कि मैं किसी राष्ट्र विरोधी राजनैतिक पार्टी का कभी सदस्य नहीं रहा हूँ
और न हूँ ।

5- यह कि कभी मुझे अपराधिक मामले में गिरफ्तार नहीं किया गया है ।

6- यह कि मेरा कभी अपराधिक मामले में पुलिस में चालान नहीं किया गया है ।

7- यह कि आवेदन पत्र में उल्लेखित यदि कोई बात किसी भी समय असत्य पायी
जाय अतः किसी मृत्यु को छिपाया गया हो तो मेरी नियुक्ति निरस्त कर दिया जाय तथा
मुझे विधिक दण्ड दिया जाय ।

8- यह कि आवेदन पत्र भरने के दस वर्ष पूर्व तक किसी विध्वंसक कार्य में भाग
नहीं लिया ।

9- यह कि अपराधिक मामले जो मेरे विरुद्ध पंजीकृत हुए है या जिसमें मेरा चालान
किया गया था जो मेरे विरुद्ध विचाराधीन न्यायालय अथवा विवेचनाधीन पुलिस है उन
विवरण निम्नवत् हैं:-

10- यह कि यदि इस शपथ पत्र में अंकित तथ्य भविष्य में कभी भी गलत पाये जाये
तो कोर्स/सर्विस से तुरन्त पृथक कर दिया जाये तथा विधिक दण्ड दिया जाय ।

11- मैं.....पत्नी/पुत्र/पुत्री स्व० श्री.....प्रमाणित
करता हूँ कि संघ सरकार या किसी राज्य सरकार अथवा केन्द्रीय सरकार या राज्य
सरकार के स्वामित्वाधीन या उसके द्वारा किसी नियंत्रित किसी निगम में कभी भी सेवा से
पदच्युत नहीं किया गया/कीगयी हूँ।

- (11) मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि केन्द्रीय सरकार तथा राज्य सरकार के अथवा केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन या उसके द्वारा नियमित किसी नियम के अधीन पहले से सेवायोजित नहीं हूँ।
- (12) मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि मेरे पिता/पति की मृत्यु के पश्चात उनके परिवार के किसी आश्रित को (जिसमें मैं भी शामिल हूँ) उत्तर प्रदेश सेवाकाल में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियमावली 1974 के अधीन कभी भी सेवायोजित नहीं किया गया है।

अभिसाक्षी/शपथकर्ता ।

मैं उपयुक्त अभिसाक्षी, शपथपूर्वक सत्यापित करती/करता हूँ कि इस शपथ पत्र के प्रस्तर में उल्लिखित तथ्य मेरी अभिरामता जानकारी तथा विश्वास में सत्य हैं, इस शपथ पत्र के प्रस्तर..... में उल्लिखित तथ्य अभिलेखों पर आधारित है, इस शपथ पत्र के प्रस्तर..... में उल्लिखित तथ्य सूचनाओं पर आधारित है, इस शपथ पत्र में उल्लिखित प्रस्तर तथा विधि सलाह पर आधारित है और जिन्हें मैं विश्वास करती/करता हूँ कि वह भी सत्य है, इसका कोई भी अंश असत्य अथवा झूठा नहीं है तथा कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया नहीं गया है। अस्तु ईश्वर मेरी रक्षा करे।

अभिसाक्षी/शपथकर्ता ।

शपथ कर्ता/अभिसाक्षी का निशान-अंगूठा

आज दिनांक..... कोबजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में सिविल कोर्ट जिला के प्रांगण में अभिसाक्षी द्वारा सत्यापित किया गया

अभिसाक्षी/शपथकर्ता ।

परिशिष्ट - "ख"

मुक्त आश्रित के रूप में सेवायोजित कराये जाने हेतु परिवार का शपथ पत्र ।

1- मैं (शपथनी) श्रीमती----- पत्नी----- स्व(0)----- माता-----

पति----- शपथनी----- तहसील----- जन्मभूत-----

की निवासिनी हूँ और शपथपूर्व निम्न कथन करती हूँ:-

1- यह कि शपथनी जन्म से भारतीय नागरिक है ।

2- यह कि शपथनी एवं शपथनी के परिवार के निम्न सभी सदस्य (सबका नाम) मेरे

पति/पुत्री/पुत्री----- को पुलिस विभाग के पद----- पर सेवायोजित कराया चाहते

है ।

3- यह कि शपथनी के परिवार के किसी भी सदस्य को मुक्त आश्रित के रूप में

सेवायोजन का लाभ पूर्व में या कभी प्रदान नहीं किया गया है ।

4- यह कि शपथनी के परिवार के किसी भी सदस्य श्री----- को मुक्त

आश्रित के रूप में सेवायोजित कराये जाने पर कोई आपत्ति नहीं है । इनकी शैक्षिक

योग्यता----- है ।

5- यह कि मैं शपथनी एवं परिवार के समस्त सदस्य जिनके हस्ताक्षर क्रम से शपथ

पत्र पर अंकित हैं, द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि शपथ पत्र की धारा-1 से 5 तक

मेरे निजी ज्ञान एवं अधिकार से सत्य है । ईश्वर मेरी मदद करें ।

शपथनी-
एवं परिवार के सदस्यों
के हस्ताक्षर ।

परिशिष्ट-"क"

1- मेरे जन्म के समूह परिवार (आश्रित पत्नी, पुत्रियां तथा पुत्रों) द्वारा दिए जाने वाले धन का प्रारूप ।

1- यह कि मैं बहलफ ध्यान करता हूँ कि मेरा नाम-----

पुत्र/पुत्री/पत्नी स्व०----- निवासी

पिता-----पति-----धना-----जिता-----का

पत्नी-----

2- यह कि मैं बहलफ ध्यान करता हूँ कि मेरे पति/पिता

की-----पुत्रियां विभाग में (पद का नाम का उल्लेख करें)

पर (जानपद के नाम का उल्लेख करें) में धना-----या कार्यालय-----में

सर्विस से जिन्होंने मुझे विभागा-----को (बीमारी/मुठभेड़ या अन्य कारण जो

से संबंधित करें) से मुक्ति दी ।

3- यह कि मैं बहलफ ध्यान करता हूँ कि मेरी जन्मतिथि (हाईस्कूल के समूह के

अनुसार) है । समस्त शाल से प्राप्त की गयी मेरी मासिक आय-----है ।

तथा वार्षिक आय-----है । मेरी शादी वर्ष----- में हुई मेरी पत्नी/पति का

नाम----- है ।

4- यह कि मैं बहलफ पर ध्यान करता हूँ कि मेरे स्व० पति/पत्नी पिता के स्थान

पर नृत्क आश्रित नियमावली-1974 के अन्तर्गत मेरे पुत्र/पुत्री/बहन/भाई

नाम----- पुत्रियां विभाग में पद----- पर सेवायोजित किया जाता है तो

मुझे कोई एतराज नहीं है ।

5- यह कि बहलफ ध्यान करता हूँ कि नृत्क आश्रित नाम-----

स्व०----- के वारिस है ।

6- यह कि बहलफ ध्यान करता हूँ कि नृत्क स्व०----- के स्थान पर

जोभी तक किसी को नौकरी नहीं दी गयी है ।

7- यह कि मैं बहलफ ध्यान करता हूँ कि उपरोक्त कथन सत्य है यदि असत्य पाया

गया तो उसकी पूर्ण जिम्मेदारी मेरी होगी तथा मेरे विरुद्ध जो भी कार्यवाही की

जायेगी मुझे मान्य होगी ।

8- यह कि उपरोक्त ध्यान हलफ की धारा-1 से 7 तक मेरे निजी ज्ञान से सब

सत्य है कुछ असत्य नहीं है एवं कोई महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया नहीं गया है । ईश्वर

मेरी मदद करें ।

पति (पति) (पति) का
साथ में शपथ पत्र (पति)
का

परिशिष्ट - "स"

मृतक आश्रित के रूप में सेवायोजित कराये जाने हेतु परिवार का शपथ पत्र ।

1- मैं शपथनी श्रीमती----- पत्नी----- स्व०----- ग्राम-----

पोस्ट----- थाना----- तहसील----- जनपद-----

की निवासिनी हूँ और शपथपूर्व निम्न कथन करती हूँ-

2- यह कि शपथनी जन्म से भारतीय नागरिक है ।

3- यह कि शपथनी एवं शपथनी के परिवार के निम्न सभी सदस्य (सबका नाम) मेरे पुत्र/पुत्रीगण----- को पुलिस विभाग के पद----- पर सेवायोजित कराना चाहते हैं ।

4- यह कि शपथनी के परिवार के किसी भी सदस्य को मृतक आश्रित के रूप में सेवायोजन का लाभ पूर्व में या कभी प्रदान नहीं किया गया है ।

5- यह कि शपथनी के परिवार के किसी भी सदस्य श्री----- को मृतक आश्रित के रूप में सेवायोजित कराये जाने पर कोई आपत्ति नहीं है । इनकी शैक्षिक योग्यता----- है ।

6- यह कि मैं शपथनी एवं परिवार के समस्त सदस्य जिनके हस्ताक्षर क्रम से शपथ पत्र पर अंकित हैं, द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि शपथ पत्र की धारा-1 से 5 तक मेरे निजी ज्ञान एवं अधिकार से सत्य है । ईश्वर मेरी मदद करें ।

शपथनी-
एवं परिवार के सदस्यों
के हस्ताक्षर ।

सं.सि.लि.मि. आरानादेश संख्या-1944/6-पु0-10-2006-1200(2)/01टीसी दिनांक:
सितम्बर 8, 2006। जो प्रेषक श्री आर0पी0मिश्र, संयुक्त सचिव, उ0प्र0शासन,
गृह(पुलिस) अनुभाग-10 लखनऊ द्वारा पुलिस महानिदेशक उ0प्र0, लखनऊ, पुलिस
महानिरीक्षक, स्थापना मुख्यालय, पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0, लखनऊ तथा पुलिस उप
महानिरीक्षक, स्थापना, उ0प्र0 पुलिस मुख्यालय, इलाहाबाद को सम्बोधित है।

विषय:- उ0प्र0 सेवाकाल में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती
नियमावली-1974 में सत्रवें संशोधन के क्रियान्वयन के संबंध में।

उपर्युक्त विषयक कार्मिक अनुभाग-2 के पत्र संख्या-6/12/73/का-2
/2006 दिनांक 28 जुलाई, 2006 (छाया प्रति संलग्न) के संदर्भ में मुझे यह
कहने का निर्देश हुआ है कि कार्मिक विभाग द्वारा उपरोक्त दिनांक पत्र के
माध्यम से अधिसूचना निर्गत करते हुए उ0प्र0 सेवाकाल में मृत सरकारी सेवकों
के आश्रितों की भर्ती नियमावली-1974 के नियम 5(1)(तीन) में संशोधन करते
हुए यह व्यवस्था की गयी है कि नियमावली के परन्तुक प्रयोजन के लिए
समबद्ध व्यक्ति कारणों को स्पष्ट करेगा और आवेदन करने के लिये नियत
समय-सीमा के अख्यान के पश्चात् सेवायोजन के लिये आवेदन करने के विलम्ब
के कारणों के संबंध में ऐसे विलम्ब के समर्थन आवश्यक अभिलेखों/सकृत सक्षिप्त
लिखित में समुचित औचित्य देगा और सरकार विलम्ब के कारणों के लिए राशी
तथ्यों पर विचार करते हुए समुचित निर्णय लेगी। कृपया तदनुसार कालबाधित
प्रत्येक मामलों में परीक्षणोपरांत प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराने हेतु अधिनस्थों
को निर्देशित करने का कष्ट करें तथा अधिनस्थों को दी गयी सूचना/निर्देशों
की एक प्रति शासन को भी उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
संलग्नक-यथोक्त।

ह0/-

आर0पी0मिश्र
संयुक्त सचिव,

उत्तर प्रदेश सरकार
कार्मिक अनुभाग-2
संख्या-6/12/73/कार्मिक-2/2006
लखनऊ: दिनांक, 28 जुलाई, 2006

अधिसूचना

प्रकीर्ण

संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके
राज्यपाल उत्तर प्रदेश सेवाकाल में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती
नियमावली, 1974 को संशोधित करने की दृष्टि से निम्नलिखित नियमावली
बनाते हैं:-

उत्तर प्रदेश सेवाकाल में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती
(सत्रवें संशोधन) नियमावली, 2006

12/4/10

नियम-1- यह नियमावली उत्तर प्रदेश सेवाकाल में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती (सहाय्य संशोधन) नियमावली, 2006 कही जायेगी।
 (1)
 (2) यह सुरक्षा प्रवृत्त होगी।

नियम-5 2- उत्तर प्रदेश सेवाकाल में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियमावली, 1974 में नीचे स्तम्भ-1- में दिये गये विद्यमान नियम-5 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात:-

स्तम्भ-1
 (विद्यमान नियम)

स्तम्भ-1
 (एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम)

के 5- यदि इस नियमावली के पारगम्य होने के पश्चात् किसी सरकारी सेवक की सेवाकाल में मृत्यु हो जाये और मृत सरकारी सेवक का पति या पत्नी (जैसी भी स्थिति हो) केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन या उसके द्वारा नियंत्रित किसी निगम के अधीन पहले से सेवायोजित न हो तो उसके कुटुम्ब के ऐसे एक सदस्य को जो, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन या उसके द्वारा नियंत्रित किसी निगम के अधीन पहले से सेवायोजित न हो इस प्रयोजन के लिये

मृतक के कुटुम्ब के किसी सदस्य की भर्ती के 5- यदि इस नियमावली के पारगम्य होने के पश्चात् किसी सरकारी सेवक की सेवाकाल में मृत्यु हो जाये और मृत सरकारी सेवक का पति या पत्नी (जैसी भी स्थिति हो) केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन या उसके द्वारा नियंत्रित किसी निगम के अधीन पहले से सेवायोजित न हो तो उसके कुटुम्ब के ऐसे एक सदस्य को जो, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन या उसके द्वारा नियंत्रित किसी निगम के अधीन पहले से सेवायोजित न हो इस प्रयोजन के लिये

भर्ती के किसी सामान्य नियमों को शिथिल करते हुए सरकारी सेवा में किसी पद पर, ऐसे पद को छोड़कर जो उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के क्षेत्रान्तर्गत हो, उपयुक्त सेवायोजन प्रदान किया जायेगा यदि ऐसा व्यक्ति:-
 (एक) पद के लिये विहित शैक्षिक अर्हतायें पूरी करता हो,
 (दो) सरकारी सेवा के लिये अन्यथा अर्ह हो, और

(तीन) सरकारी सेवक की मृत्यु के दिनांक से पांच वर्ष के भीतर सेवायोजन के लिये आवेदन करता है

परन्तु जहाँ राज्य सरकार का यह समाधान हो जाये कि सेवायोजन के लिये नियत समय सीमा से किसी विशिष्ट मामले से अनुचित कठिनाई होती है वहाँ वह अपेक्षाओं को, जिन्हें वह मामले में न्यायसंगत और साम्यपूर्ण रीति से कार्यवाही करने के लिये आवश्यक समझे, अभिमुक्त या शिथिल कर सकती है।

(2) ऐसा सेवायोजन यथासम्भव उसी विभाग में दिया जाना चाहिये जिसमें मृत सरकारी सेवक अपनी मृत्यु से पूर्व सेवायोजित था।

भर्ती के सामान्य नियमों को शिथिल करते हुए सरकारी सेवा में किसी पद पर, ऐसे पद को छोड़कर जो उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के क्षेत्रान्तर्गत हो, उपयुक्त सेवायोजन प्रदान किया जायेगा यदि ऐसा व्यक्ति:-
 (एक) पद के लिये विहित शैक्षिक अर्हतायें पूरी करता हो,
 (दो) सरकारी सेवा के लिये अन्यथा अर्ह हो, और

(तीन) सरकारी सेवक की मृत्यु के दिनांक से पांच वर्ष के भीतर सेवायोजन के लिये आवेदन करता है

परन्तु जहाँ राज्य सरकार का यह समाधान हो जाये कि सेवायोजन के लिये आवेदन करने के लिये नियत समय सीमा से किसी विशिष्ट मामले में अनावश्यक कठिनाई होती है वहाँ वह अपेक्षाओं को, जिन्हें वह मामले में न्यायसंगत और साम्यपूर्ण रीति से कार्यवाही करने के लिये आवश्यक समझे, अभिमुक्त या शिथिल कर सकती है:-

परन्तु यह और कि उपर्युक्त परन्तुक के प्रयोजन के लिये सम्बद्ध व्यक्ति कारणों को स्पष्ट करेगा और आवेदन करने के लिये नियत समय सीमा के

9/10/00

(3) उपनियम (1) के अधीन की गयी प्रत्येक नियुक्ति, इस धर्त के अधीन होगी कि उप नियम (1) के अधीन नियुक्त व्यक्ति, मृतक सरकारी सेवक के परिवार के अन्य सदस्यों का अनुरक्षण करेगा जो कि स्वयं अनुरक्षण करने में असमर्थ है और उक्त मृतक सरकारी सेवक पर उसकी मृत्यु के ठीक पूर्व आश्रित थे।


(4) जहाँ उपनियम (1) के अधीन नियुक्त व्यक्ति, किसी ऐसे व्यक्ति का अनुरक्षण करने में उपेक्षा या इनकार करता है जिसके प्रति अनुरक्षण के लिये वह उपनियम (3) के अधीन उत्तरदायी है तो उसकी सेवायें, समय-समय पर यथा संशोधित उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999 के अनुसरण में समाप्त की जा सकती है।

अवसान के पश्चात सेवायोजना के लिये आवेदन करने के विलम्ब के कारण के सम्बन्ध में ऐसे विलम्ब के समर्थन में आवश्यक अभिलेखों/सबूत सहित लिखित में समुचित औचित्य देगा और सरकार विलम्ब के कारण के लिये सभी तथ्यों पर विचार करते हुए समुचित निर्णय लेगी।

(2) ऐसा सेवायोजना, यथासम्भव, उसी विभाग में दिया जाना चाहिये जिसमें मृत सरकारी सेवक अपनी मृत्यु के पूर्व सेवायोजित था।

(3) उपनियम (1) के अधीन की गयी प्रत्येक नियुक्ति, इस धर्त के अधीन होगी कि उप नियम (1) के अधीन नियुक्त व्यक्ति, मृतक सरकारी सेवक के परिवार के अन्य सदस्यों का अनुरक्षण करेगा जो कि स्वयं का अनुरक्षण करने में असमर्थ है और उक्त मृतक सरकारी सेवक पर उसकी मृत्यु के ठीक पूर्व आश्रित थे।

(4) जहाँ उपनियम (1) के अधीन नियुक्त व्यक्ति, किसी ऐसे व्यक्ति का अनुरक्षण करने में उपेक्षा या इनकार करता है जिसके प्रति अनुरक्षण के लिये वह उपनियम (3) के अधीन

 (3) के अधीन

उत्तराखण्ड के जो
उसकी सेवायें,
समय-समय पर तथा
संशोधित उत्तर प्रदेश
सरकारी सेवक
(अनुशासन एवं अपील)
नियमावली, 1999 के
अनुसरण में समाप्त की
जा सकती है।

आज्ञा से,
हस्ताक्षर
(उमेश सिन्हा)
सचिव।

महत्वपूर्ण/मृतक आश्रित नियमावली में संशोधन

उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय इलाहाबाद-।
संख्या:18/ए-(सातवां संशोधन/मृ0आ0)2006,दि0 सित0 24,06

आज्ञा में,

समस्त विभागाध्यक्ष एवं कार्यालयाध्यक्ष,
पुलिस विभाग उत्तर प्रदेश।

कृपया उपर्युक्त अंकित शासनादेश संख्या:1944/6-पु0-10-2006-
200(2)/01 टीसी, दिनांक 7.9.2006 व इसके साथ उ0प्र0 सेवाकाल में मृत
सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती(सातवां संशोधन) नियमावली-2006 जो
संशोधित अनुभाग-2 के शासनादेश संख्या: 6/12/73/का-2/2006,दिनांक:28.7.
2006 निर्गत किया गया है की प्रतिलिपि प्रेषित करते हुए उपरोक्तानुसार
संशोधित नियमों के अन्तर्गत शासन द्वारा निर्देश दिये गये हैं।

कृपया उपर्युक्तानुसार शासनादेश दिनांक 7.9.06 व 28.7.06 में
दिए गए निर्देशों के अनुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

प्रश्नगत मामले में अवगत कराना है कि पूर्व में पुलिस मुख्यालय में
एक फर्जी सेवायोजन प्रकरण प्राप्त हुए हैं जिनमें कुछ प्रकरणों में मृतक
सेवकों के पिता पुलिस विभाग में सेवारत ही नहीं थे उनके फर्जी सेवायोजन
प्रकरण अन्वय से पुलिस अधीक्षक की मुहर व हस्ताक्षर के साथ तैयार करवाकर
पुलिस मुख्यालय में उपलब्ध कराये गये थे, कुछ में मृतकों के दो मां इससे
अधिक आश्रितों द्वारा सेवायोजन का लाभ ले लिया गया है इसके अतिरिक्त
अपत्य प्रकरणों में मृतक आश्रितों को फर्जी शैक्षिक प्रमाण पत्रों के आधार पर
सेवायोजन प्रकरण पुलिस मुख्यालय में उपलब्ध कराये गये हैं। इन तथ्यों को
उच्च न्यायालय,इलाहाबाद द्वारा भी संज्ञान में लिया गया है जिनमें उच्च
न्यायालय के आदेश से सम्बन्धित जनपद/इकाईयों द्वारा जाँच करायी जा रही
है। पूर्व प्रचलित प्रक्रिया में मृतक आश्रितों का सेवायोजन प्रकरण पुलिस
मुख्यालय के कन्ट्रोल रूम में प्राप्त करा दिया जाता था जिससे फर्जी प्रकरणों के
प्राप्त होने की संभावना रहती है इस पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया है।

उपर्युक्त अनियमितताओं की पुनरावृत्ति को रोकने के उद्देश्य से अब
संशोधित नियमों में परिवर्तन किया गया है कि समस्त सेवायोजन प्रकरण सम्बन्धित कार्यालय के
आफिस एक निश्चित अन्तराल पर स्वयं पुलिस मुख्यालय उपस्थित होकर
जाँच करायी जायेगी।

Kaishor

एक प्रकरण का अधिकारियों के ज्ञान में लाने हुए सम्बन्धित विभाग में प्राप्त प्रमाण।

5. कृपया उपर्युक्त अंकित शासनादेश दिनांकित 28.7.2006 व 7.9.2006 में उचित प्राविधानों के अन्तर्गत नियमावली के परन्तुक प्रयोजन के लिये सम्बद्ध व्यक्तिकारणों को स्पष्ट करेगा एवं आवेदन करने के लिये नियत समय सीमा के अवसान के पश्चात् सेवायोजन के लिये आवेदन करने के विलम्ब के कारणों के सम्बन्ध में, ऐसे विलम्ब के समर्थन में आवश्यक अभिलेखों/सबूत सहित लिखित रूप में समुचित औचित्य देगा जिसे प्राप्त कर यथोचित प्रस्ताव मृतक आश्रित के सेवायोजन के सम्बन्ध में पुलिस मुख्यालय के परिपत्र संख्या: 18-64-2000, दिनांक 4.4.2003 के साथ प्रेषित चेकलिस्ट/प्रारूप एवं अनुलग्नकों में अपेक्षित सूचनायें तथा शासनादेश संख्या: 3190/6-पु-10-2002-1200(63)/2000, दिनांक 9.12.2002 द्वारा निर्धारित प्रारूप में 20 बिन्दुओं की सूचना, गृह्यु की परिस्थितियों का पूर्ण विवरण अपनी टिप्पणी सहित दो प्रतियों में अपने कार्यालय के क्षेत्राधिकारी, (सीओओआफिस) के द्वारा स्वयं पुलिस मुख्यालय इलाहाबाद में प्राप्त कराने का कष्ट करें।

6. कृपया प्रस्ताव एवं इसके संलग्नक समस्त पत्रों के प्रत्येक पृष्ठ पर कार्यालयाध्यक्ष (जरिस्ट/पुलिस अधीक्षक/सेनानायक) का स्वयं का हस्ताक्षर व पदनाम की मुहर अंकित होगी तथा प्रस्ताव के साथ इस आशय का प्रमाण-पत्र भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जायेगा कि यह प्रस्ताव अपना ही उन्नपद के एगो पुलिस वर्गों के नारसंगिक आश्रित का सेवायोजन प्रकरण है। पूर्ण में इस एगो वर्ग/आधेकारी के किसी अन्य आश्रित को सेवायोजन का लाभ नहीं दिया गया है। प्रस्ताव के साथ संलग्न शैक्षिक प्रमाण पत्रों की सत्यता की पुष्टि वैधिक संस्थानों से करा ली गयी है।

7. कृपया प्रस्ताव प्राप्त कराने के समय सीओओ आफिस प्रस्ताव के प्रथम पृष्ठ पर अपने नाम व पदनाम की मुहर के साथ इस तथ्य की पुष्टि करेंगे कि यह प्रस्ताव स्वयं उनके द्वारा पुलिस मुख्यालय में उपलब्ध कराया गया है। प्रकरण/प्रस्ताव प्राप्त होने पर इसे नियमानुसार उत्तर प्रदेश शासन को प्रेषित किया जायेगा।

8. कृपया तदनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।
संलग्नक: यथोपरि।

(जवाहर लाल त्रिपाठी)

पुलिस उपमहानिरीक्षक, स्थापना,
उत्तर प्रदेश।

संख्या तथा दिनांक वही।

प्रतिलिपि: संयुक्त सचिव, उत्तर प्रदेश शासन गृह (पुलिस) अनुभाग-10, लखनऊ को शासनादेश संख्या: 1944/6-पु-10-2006-1200 (2)/01 टीसी, दिनांक 7.9.06 के संदर्भ में सादर सूचनार्थ प्रेषित।

संख्या तथा दिनांक वही।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ प्रेषित:-

- 1- अपर पुलिस महानिदेशक, कार्मिक उत्तर प्रदेश लखनऊ।
- 2- पुलिस महानिदेशक, के सहायक, उत्तर प्रदेश लखनऊ।
- 2- पुलिस महानिरीक्षक, स्थापना, उत्तर प्रदेश लखनऊ।

उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय, इलाहाबाद-।

संख्या: 18-64-94

दिनांक: जनवरी 4, 2003

सेवा में,

समस्त विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष,
पुलिस विभाग उत्तर प्रदेश।

विषय:- मृतक आश्रितों को समय-सीमा में छुट प्रदान करने हेतु सूचना भेजने विषयक प्रारूप।

-x-

कृपया शासनादेश संख्या: 3190/6-पु0-10-2002-1200/63/2000 दिनांकित-

9-12-2000 प्रति लिपि संसंगन का अक्लोकन करें।

2- अनुरोध है कि कृपया मृतक सरकारी सेवकों के आश्रितों को सेवायोजन किये जाने के ऐसे प्रकरण जो मृतक सेवक को सेवाकाल में मृत्यु के दिनांक से 5 वर्ष के बाद प्राप्त होते हैं, को उक्त संदर्भित शासनादेशों के साथ संलग्न शासन द्वारा निर्धारित प्रारूपों में सूचना गहनता के साथ छानबीन करने के पश्चात पूर्णकर अपनी स्पष्ट एवं अधिकृतपूर्ण संस्तुति के साथ पुलिस मुख्यालय को अर्पित करने की व्यवस्था अनिवार्य करें, ताकि ऐसे प्रकरणों को पुलिस मुख्यालय द्वारा आवश्यक परीक्षणोपरान्त शासकीय अनुमति हेतु शासन को प्रेषित करने की के सम्बन्ध में विचार किया जा सके।

संलग्न-यथोपरि।

42

JCC

Em Power
Compliance
and circlly

SP
111

31/1/03

31/1/03

उषा यादव

विशेष कार्यधिकारी स्थापना

नि.पुलिस उपमहानिरीक्षक स्थापना
उत्तर प्रदेश।

-x-

संख्या तथा दिनांक वही।

प्रतिलिपि:-पुलिस महानिरीक्षक "स्थापना" को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

2- प्रतिलिपि:-विभाग-पांच एवं दस को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

13

-x-

को मंत्री कमल
को मंत्री कमल
को मंत्री कमल
को मंत्री कमल
को मंत्री कमल
को मंत्री कमल

42
कृपया नोट की आवश्यकता
कार्यवाही करें।

संख्या: 3190/6-पु-10-2002-1200/63/2000

शंकर लाल जायसवाल,
विशेष सचिव,
उ०प्र० शासन।

सेवा में,

पुलिस उपमहानिरीक्षक स्थापना
उ०प्र० पुलिस मुख्यालय,
इलाहाबाद।

गृह पुलिस अनुभाग-10,

लगनऊ: दिनांक: 09 दिसम्बर, 2002

विषय:- मृतक आश्रितों को समय-सीमा में छुट प्रदान करने हेतु सूचना भेजने विषयक प्रारूप।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासन के पत्र संख्या: 2691/6-पु-10-2000 दिनांक-

16 जनवरी, 2001 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेशा हुआ है कि उक्त पत्र के साथ संलग्न निर्धारित प्रारूप में कतिपय संशोधन किये जा रहे हैं। तदनुसार भविष्य में समस्त प्रस्ताव पर संशोधित सूचना ही उपलब्ध कराने काकष्ट करें।

संलग्न-यथोक्त।

भवदीय,

अपठानीय,

शंकर लाल जायसवाल
विशेष सचिव।

- 1-मृतक कर्मचारी का नाम.....
- 2-मृतक कर्मचारी का पदनाम.....
- 3-मृत्यु के समय तैनाती का विवरण:.....
- 4-मृत्यु के समय कर्मचारी की आय.....
- 5-मृत्यु का कारण पूर्ण विवरण एवं संतुति सहित मृतक कर्मचारी अवकाश पर था अथवा इयटी पर, मृत्यु प्रमाण पत्र सहित ।.....
- 6-क्या मृत्यु कर्तव्य पालन के दौरान अस्वभाविक परिस्थितियों में हुई है.....
- 7-क्या मृत्यु के समय कर्मचारी की पत्नी/पति किसी सेवायोजन में थे यदि हाँ तो उसका विवरण.....
- 8-कर्मचारी के आश्रितों का विवरण:-

क्रम संख्या	नाम	शैक्षिक योग्यता	सेवा/व्यवसाय	मासिक आय
1	2	3	4	5

- 1.
- 2.
- 3.

- 9-परिवार के अन्य व्यवसाय/उपलब्ध भूमि का विवरण.....
- 10-कर्मचारी के आश्रितों को प्राप्त होने वाली पेंशन का विवरण/साधारण/असाधारण/श्राद्ध
- 11-समाप्त स्त्रोतों से परिवार की मासिक आय.....
- 12-सेवायोजन हेतु आवेदक आश्रित का नाम.....
- 13-सेवा हेतु आवेदित पद का नाम.....
- 14-यदि कर्मचारी की पत्नी/पति को सेवायोजित नहीं किया गया तो उसका कारण
- 15-कर्मचारी की मृत्यु की तिथि से 5वर्ष के भीतर सेवायोजन हेतु आवेदन न प्राप्त करने का कारण पूर्ण औचित्य सहित.....
- 16-परिवार की आर्थिक स्थिति का उल्लेख करते हुए यह स्पष्ट किया जाय कि परिवार के निर्वाह हेतु अभी भी शासकीय अनुवम्पा की आवश्यकता है ।.....
- 17-अब तक परिवार के निर्वाह की क्या व्यवस्था की.....
- 18-समय सीमा में छूट हेतु विभागाध्यक्ष की स्पष्ट संतुति पूर्ण औचित्य सहित.....

१ पुलिस अधीक्षक/सेनानायक
की हस्ताक्षर एवं मुहर सहित ।

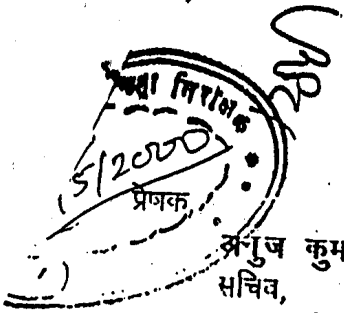
19. कर्मचारी द्वारा सेवायोजन हेतु सब दस्तावेज आहूत होने के उपरान्त उपरोक्त आश्रितों को पत्र देने की तिथि

20. मृतक कर्मचारी की मृत्यु की तिथि

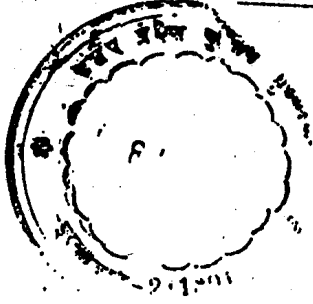
FAX

(58)

(48)



संख्या-1203/छ:-पू-10-2000-1200(8)/98



अंगुज कुमार विस्नोई,
सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।
सेवा में,
पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश,
लखनऊ।

29/5/98
9.5.98

गृह(पुलिस)अनुभाग-10

दिनांक 01 मई, 2000

विषय: उत्तर प्रदेश सेवाकाल में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियमावली, 1974 के अधीन मृतक आश्रितों की पुलिस बल में नियुक्ति हेतु निर्धारित न्यूनतम तम्बाई में छूट प्रदान करने के सम्बन्ध में।

महोदय,
उपर्युक्त विषय से सम्बन्धित आपके पत्रांक: डीजी-चार-124(52)-91, दिनांक 20 दिसम्बर, 1993 एवं 13 अगस्त, 98 तथा उ०प्र० पुलिस मुख्यालय के पत्र संख्या: पाँच-740(सेवा)-98, दिनांक 14-12-98 द्वारा प्राप्त प्रस्ताव के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सम्यक् विचारोपरान्त शासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि प्रदेश की पुलिस बल की सेवाएँ में आने वाले जिन पदों पर सेवायोजन की कार्रवाई पुलिस विभाग द्वारा की जाती है, उन पदों के लिए निर्धारित अर्हताओं में से अन्य योग्यताएं व अर्हताएं पूर्ण करने वाले मृतक आश्रित अभ्यर्थियों को शारीरिक अर्हताओं के अन्तर्गत निर्धारित न्यूनतम तम्बाई में दो सेन्टीमीटर तक की छूट प्रदान की जाती है।

भवदीय,

(अंगुज कुमार विस्नोई)
सचिव।

संख्या-1203/छ:-पू-10-2000-1200(8)/98 तददिनांक

प्रतिलिपि पुलिस उप महानिरीक्षक (स्थापना), उत्तर प्रदेश मुख्यालय, इलाहाबाद को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

306

O.S.D. Karanik

कुं आ० का० क०

तृतीयांश ख/१११ / ४ / ५

आज्ञा से,

(रघु कुमार गुप्ता)
संयुक्त सचिव।

हे ० / ५
पुलिस उप महानिरीक्षक
(स्थापना) इलाहाबाद

कृपया सेवायोजन के लिए
उक्त आदेशानुसार आवश्यक
कार्यवाही शीघ्र करें।

Dr. Impallu

9.5.2000
OSD (K)

3/5

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि जनपद/इकाई-----
के पत्र संख्या----- दिनांक ----- के
माध्यम से प्रेषित स्व0
-----जिनकी मृत्यु
दिनांक----- सेवाकाल में हुई है के आश्रित श्री
----- को ----- के
पद पर सेवायोजन सम्बन्धी प्रस्ताव पुलिस मुख्यालय में उपलब्ध
कराया गया है। यह प्रस्ताव समस्त संलग्नको सहित
जनपद/इकाई '----- से ही प्रेषित किया गया है।
प्रस्ताव के साथ संलग्न समस्त प्रपत्रों का परीक्षण मेरे द्वारा कर
लिया गया है, प्रस्ताव पूर्णतया सही है तथा इसी जनपद/इकाई
के स्व0 कर्मियों के वास्तविक आश्रित के पक्ष में प्रस्ताव है। यह
प्रकरण फर्जी नहीं है एवं मृतक आश्रित के द्वारा उपलब्ध कराये
गये शिक्षा एवं जाति सम्बन्धी प्रमाण-पत्रों की सत्यता की पुष्टि
क्रमशः जिला विद्यालय निरीक्षक /शिक्षा बोर्ड/विश्वविद्यालय एवं
सम्बन्धित जिला अधिकारी के माध्यम से करा ली गयी है।
इसके पूर्व इस स्व0 कर्मियों के किसी अन्य आश्रित को सेवायोजन
का लाभ नहीं दिया गया है। इसकी पुष्टि अधोहस्ताक्षरी द्वारा
की जाती है।

हस्ताक्षर :-

नाम :-

पदनाम:-

कार्यालय का नाम:-

(राजपत्रित अधिकारी का नाम/

पदनाम की मुहर)

यह प्रमाण-पत्र आज दिनांक
----- को मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि जनपद/इकाई-----
के पत्र संख्या----- दिनांक----- के
माध्यम से प्रेषित स्व0
-----जिनकी मृत्यु
दिनांक----- सेवाकाल में हुई है के आश्रित श्री
----- को ----- के
पद पर सेवायोजन सम्बन्धी प्रस्ताव पुलिस मुख्यालय में उपलब्ध
कराया गया है। यह प्रस्ताव समस्त संलग्नको सहित
जनपद/इकाई----- से ही प्रेषित किया गया है।
प्रस्ताव के साथ संलग्न समस्त प्रपत्रों का परीक्षण मेरे द्वारा कर
लिया गया है, प्रस्ताव पूर्णतया सही है तथा इसी जनपद/इकाई
के स्व0 कर्मियों के वास्तविक आश्रित के पक्ष में प्रस्ताव है। यह
प्रकरण फर्जी नहीं है एवं मृतक आश्रित के द्वारा उपलब्ध कराये
गये शिक्षा एवं जाति सम्बन्धी प्रमाण-पत्रों की सत्यता की पुष्टि
क्रमशः जिला विद्यालय निरीक्षक /शिक्षा बोर्ड/विश्वविद्यालय एवं
सम्बन्धित जिला अधिकारी के माध्यम से करा ली गयी है।
इसके पूर्व इस स्व0 कर्मियों के किसी अन्य आश्रित को सेवायोजन
का लाभ नहीं दिया गया है। इसकी पुष्टि अंधोहस्ताक्षरी द्वारा
की जाती है।

हस्ताक्षर :-

नाम :-

पदनाम:-

कार्यालय का नाम:-

(राजपत्रित अधिकारी का नाम/
पदनाम की मुहर)

यह प्रमाण-पत्र आज दिनांक
----- को मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि जनपद/इकाई-----
के पत्र संख्या----- दिनांक----- के
माध्यम से प्रेषित स्व0
-----जिनकी मृत्यु
दिनांक----- सेवाकाल में हुई है के आश्रित श्री
----- को ----- के
पद पर सेवायोजन सम्बन्धी प्रस्ताव पुलिस मुख्यालय में उपलब्ध
कराया गया है। यह प्रस्ताव समस्त संलग्नको सहित
जनपद/इकाई----- से ही प्रेषित किया गया है।
प्रस्ताव के साथ संलग्न समस्त प्रपत्रों का परीक्षण मेरे द्वारा कर
लिया गया है, प्रस्ताव पूर्णतया सही है तथा इसी जनपद/इकाई
के स्व0 कर्मियों के वास्तविक आश्रित के पक्ष में प्रस्ताव है। यह
प्रकरण फर्जी नहीं है एवं मृतक आश्रित के द्वारा उपलब्ध कराये
गये शिक्षा एवं जाति सम्बन्धी प्रमाण-पत्रों की सत्यता की पुष्टि
क्रमशः जिला विद्यालय निरीक्षक / शिक्षा बोर्ड / विश्वविद्यालय एवं
सम्बन्धित जिला अधिकारी के माध्यम से करा ली गयी है।
इसके पूर्व इस स्व0 कर्मियों के किसी अन्य आश्रित को सेवायोजन
का लाभ नहीं दिया गया है। इसकी पुष्टि अधोहस्ताक्षरी द्वारा
की जाती है।

हस्ताक्षर :-

नाम :-

पदनाम:-

कार्यालय का नाम:-

(राजपत्रित अधिकारी का नाम/
पदनाम की मुहर)

यह प्रमाण-पत्र आज दिनांक
----- को मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया है।